आषाढ़ शुक्ल पक्ष -8, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 24 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 जुलाई 2024
रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page- 7

पेंसिल्वेनिया में चुनावी रैली को संबोधित करने के दौरान 20 वर्षीय युवक ने चलाई गोलियां

ट्रंप पर 10 राउंड गोलियां चली, कान में लगी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के पहले सनसनीखेज घटना, भाषण के दौरान हमला

ट्रंप ने कहा -चाहे कुछ हो, सरेंडर नहीं करूंगा

सीक्रेट एजेंट्स ने हमलावर को मार गिराया

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और आगामी चुनाव में उम्मीदवारी कर रहे डोनाल्ड ट्रंप आज एक जानलेवा हमले में बाल-बाल बच गए। यहां बटलर में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान उन पर गोली चली। जो उनके कान को छूते निकल गई। इससे ट्रंप मंच पर लगभग गिर गए और उनकी कान से खून बह निकला। फौरन ही सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने हमलावर को मार गिराया। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह सनसनीखेज घटना उस वक्त हुई है जब दो दिन बाद ट्रंप औपचारिक रूप से पार्टी के उम्मीदवार बनेंगे। अपने समर्थकों को संदेश में ट्रंप ने कहा कि वह इस हमले से प्रभावित हुए बिना राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना कैम्पेन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा 'चाहे कुछ भी हो, मैं सरेंडर नहीं करूंगा!'

इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को चीरकर निकल गई। अमेरिकी जांच एजेंसियां इस हमले को डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के रूप में देख रही हैं। पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात यूएस सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने हमलावर की पहचान बेथेल पार्क, पेंसिल्वेनिया के रहने वाले थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की। यह एक 20 वर्षीय युवक था। बेथेल पार्क बटलर से लगभग 40 मील दक्षिण में स्थित है। घटनास्थल से एक सेमी-ऑटोमेटिक राइफल बरामद हुई है। संभवतः इसीसे युवक ने डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रैली को निशाना बनाकर फायरिंग की। सीक्रेट सर्विस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर के सिर में गोली लगी और वह मौके पर ही ढेर हो गया।

हमलावर

खबरों के मुताबिक ट्रंप जिस मंच से भाषण दे रहे थे, बंदूकधारी वहां से करीब 120 मीटर दूर एक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की छत पर खड़ा था। उसने वहीं से ट्रंप पर निशाना साधकर गोलीबारी की। यहां इतना ओपन स्पेस था कि स्नाइपर को निशाना साधने में कोई परेशानी नहीं हुई। वह अपने स्थान से पूर्व राष्ट्रपति को बिना किसी बाधा के देख पाने में सक्षम था। ट्रंप जहां खड़े होकर स्पीच दे रहे थे ठीक उसके पीछे एक और स्ट्रक्चर (किसी कंपनी के गोदाम की तरह का) था, जिस पर यूएस सीक्रेट सर्विस की काउंटर-स्नाइपर टीम तैनात थी। हमलावर के गोली चलाते ही काउंटर-स्नाइपर टीम एक्टिव हो गई और हमलावर को मार गिराया। गोलीबारी इमारत के ऊपर से हुई। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक हमलावर ने करीब ताबड़तोड़ 10 राउंड फायर किए।

यूएस सीक्रेट सर्विस के जवान जब ट्रंप को घटनास्थल से दूर ले जा रहे थे, तो उनके कान के पास से खून निकल रहा था. चेहरे पर भी खून लगा था। हमला होते ही सीक्रेट सर्विस के जवानों ने फुर्ती दिखाते हुए उनकी ओर दौड़ लगायी और उन्हें चारों ओर से कवर कर लिया। फिर ट्रंप उठे और अपने समर्थकों की तरफ हाथ लहराते हुए दिखाई दिए। घेराबंदी में ही पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को उनकी गाड़ी तक पहुंचाया गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। घटना की जांच एफबीआई कर रही है। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्रंप के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पति से विवाद के बाद बच्चों समेत कुएं में कूदी महिला

चारों बच्चों की मौत, महिला को बचाया

मंदसौर। एक विवाहिता अपने पति से विवाद के बाद अपने चार बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। इस घटना में चार बच्चों की मौत हो गई। घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह घटना गरोठ इलाके के पीपलखेड़ा गांव की है। बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, इसके बाद महिला ने कुएं में छलांग लगा दी। महिला ने अपनी 2 बालिकाओं और 2 बालक के साथ कुएं में छलांग लगाई। इस घटना से हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि देर रात पति ने जब महिला से मारपीट को तो महिला अपने बच्चों को लेकर आंगनवाड़ी केंद्र चली गई थी। रात भर आंगनवाड़ी में रहने के बाद महिला सुबह बच्चों के साथ खेत पर बने कुएं में कूद गई। जैसे ही महिला के बच्चों के साथ कुएं में कूदने की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर

जमा हो गए। इसके बाद कुछ लोगों ने महिला को तो कुएं से सकुशल निकाल लिया, लेकिन वे बच्चों को नहीं निकाल पाए। पता चला है कि तीन लड़कियों और एक लड़के की पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए गरोठ के अस्पताल भेजा गया है।पुलिस के अनुसार महिला का नाम सुगनबाई (40) है। बच्चों के नाम बंटी उम्र 9 वर्ष, अनुष्का 7 वर्ष, मुस्कान 4 वर्ष और कार्तिक 2 वर्ष पता चले हैं।

अंबानी के मेहमानों को दो-दो करोड का रिटर्न गिफ्ट

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबनी शादी और राधिका

मर्चेंट शादी की धूम काफी समय से है। यह शादी हो भी चुकी है लेकिन वेडिंग सेलिब्रेशन अभी जारी है। इसमें देश-विदेश के मेहमान शामिल हो रहे हैं। कल शाम आर्शीवाद सेरेमनी में प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी समेत दिग्गज नेताओं और इंटरनेशनल हस्तियों ने अनंत और राधिका को आर्शीवाद दिया। खबरें हैं कि अंबानी के वीआईपी मेहमानों और अनंत के खास दोस्तों को शादी का खास तोहफा भी मिला, जो करीब 2 करोड़ रुपये कीमत का है। अपने करीबी दोस्तों को अनंत अंबानी ने खास तोहफे में लग्जरी ब्रांड आडेमर्ड पीजेट ब्रांड की घड़ियां दी हैं और इनकी कीमत करोड़ों में है। यह भी कहा जा रहा है कि वेडिंग में शामिल सभी वीआईपी मेहमानों को ये लग्जरी घड़ियां गिफ्ट में दी गई हैं। बताते हैं कि गोल्ड से बनी इस घड़ी में सफायर क्रिस्टल लगे डार्क ब्लू डायल होते हैं।

51 लाख पौधे रोपने की शंखनाद के साथ शुरूआत

अमित शाह ने भी रोपे पौधे, इंदौर के गिनीज बुक में शामिल होने की उम्मीद

इंदौर, दोपहर मेट्रो।

आज इंदौर में 51 लाख पौधे रोपने का अभियान शुरू हुआ है। पहले दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसके साक्षी भी बने और समारोह के मुख्यअतिथि भी, उन्होंने भी 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत रेवती पहाड़ी पर पौधारोपण किया। गृहमंत्री एयरपोर्ट रोड स्थित पितृ पर्वत पर दर्शन व पूजन करने बाद रेवती पहाड़ी पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अभिनेता रणदीप हुड्डा भी मौजूद थे। बताया जाता है कि गृहमंत्री भगवान कृष्ण के प्रिय पुष्प हरसिंगार के पौधे के साथ त्रिवेणी यानी नीम, बरगद और पीपल के पौधे भी रोपे।

आज इंदौर में रिकॉर्ड 11 लाख पौधे एक साथ रोपे जा रहे हैं। यह कार्यक्रम सुबह बीएसएफ रेवती रेंज पर सुबह 6 बजे से शुरू हो गया जो शाम पांच बजे तक चलेगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, निगमायुक्त शिवम वर्मा ने मुहूर्त में पौधरोपण किया। यदि रिकॉर्ड बना तो इंदौर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो जाएगा। इससे पहले सितंबर 2023 में जनभागीदारी से असम में 9 लाख 26 हजार पौधे का रिकॉर्ड है। यह भी आज टूटने के आसार हैं, बताया जाता है कि दोपहर बारह बजे तक ही करीब सवा चार लाख पौधे रोपे जा चुके थे। इससे पहले छह जुलाई को संतो ने 11 हजार पौधे लगातार अभियान शुरू किया था। इंदौर में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के करीब 100 प्रतिनिधि अभियान की निगरानी और दस्तावेजीकरण करेंगे। रेवती पहाड़ी पर करीब 90 एकड़ क्षेत्र में पौधारोपण किया जा रहा है। अभियान के लिए 20 करोड़ रुपये के पेड़ दान में मिले हैं। इस कार्यक्रम के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन भी कर रहे हैं।

आज अमरनाथ दर्शन का टूटेगा रेकार्ड

जम्मू, एजेंसी।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए देशभर से रोजाना हजारों श्रद्धालु जम्मू कश्मीर में पहुंच रहे हैं। आज दर्शनार्थी यात्रियों का आंकड़ा तीन लाख के पार होने

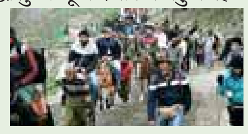

की उम्मीद है। इस बीच कल भी 14200 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी दी। अब तक 2,93,929 श्रद्धालु भोले के समक्ष नतमस्तक हो चुके हैं। आधार शिविर भगवती नगर जम्मू से 183 छोटे बड़े वाहनों में 4669 श्रद्धालु कश्मीर के लिए रवाना हुए हैं। जम्मू में स्थापित केंद्रों पर टोकन पाने और तत्काल पंजीकरण के लिए तड़के ही श्रद्धालु पहुंचने लगे। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे श्रद्धालु भी हैं जिन्होंने अग्रिम यात्री पंजीकरण करवा लिया है, लेकिन वे तत्काल पंजीकरण करवाकर जल्दी जाने को आतुर हैं।

जगन्नाथ मंदिर खजाने के बाहर सांप, टीम अलर्ट

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा सरकार आज जगन्नाथ मंदिर के खजाने यानी रत्न भंडार को 46 साल बाद एक बार फिर खोल रही है। इस खजाने में मौजूद जेवरात और अन्य कीमती सामानों की सूची तैयार होगी। मगर इस खजाने को लेकर मेडिकल टीम भी अलर्ट है, क्योंकि यहां सांपों की मौजूदगी बताई जा रही है। खबरों के के अनुसार, इस खजाने के कीमती सामानों की सूची की निगरानी के लिए राज्य सरकार ने समिति बनाई है. इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बिश्वनाथ रथ ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार दोपहर 1.28 बजे से खोलना शुरू किया गया। ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि जिस स्थान पर कीमती सामान अस्थायी रूप से रखा जाएगा, वह भी तय कर लिया गया है। आभूषणों की क्वालिटी की जांच होगी और कीमतीस्त्र सामानों का वजन किया जाएगा।

आज का कार्टून

चुनाव-दर-चुनाव | भाजपा को अपने भीतर की खलबली *रिक्टर-स्केल* पर आंकने की चुनौती

विजयपुर ही करेगा पटवारी का सही सियासी सीमांकन

अर्थात्
आशीष दुबे

देशभर के उपचुनाव के नतीजे भाजपा के लिए अलार्मिंग तो हैं ही, मप्र के अमरवाड़ा उपचुनाव का नतीजा भी कुछ खास इशारे कर रहा है। मतगणना के दौरान मतों के अंतर की चाल बताती रही कि मतदाता का मन लोकसभा चुनाव के बाद बहुत ज्यादा डोला नहीं है। फौरी तौर पर यह जितना भाजपा या कमलेश शाह के लिए राहत का सबब हैं, इससे रामनिवास रावत को भी उम्मीदों की ठंडी फुहारें मिलें। दरअसल, कमलेश शाह और धीरेंद शाह के बीच का मुकाबला वस्तुतः दो कांग्रेसियों के बीच का मुकाबला था। कई बार कांग्रेस के टिकट पर जीते कमलेश को भाजपा की टिकट पर जीत के लिए बेहद कड़ा संघर्ष करना पड़ा।'अंदरखाने यह कितना कड़ा और बड़ा संघर्ष' होगा, यह वे और उनकी पार्टी समझते होंगे। यही स्थिति विजयपुर में बन सकती है।

मगर मप्र कांग्रेस के सात महीने पुराने अध्यक्ष जीतू पटवारी के लिए 'यश' के दरवाजे अभी बंद ही हैं। हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार यदि अमरवाडा चुनाव जीत भी जाता तो इसका श्रेय पटवारी के खाते में कम और कमलनाथ के खाते में ज्यादा जाता। पटवारी के सियासी हुनर का असल 'सीमांकन' तो विजयपुर ही करेगा। क्योंकि विजयपुर उस इलाके में भी है जो कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव में वाटरलू साबित हुआ है। मुरैना,भिंड की लोकसभा सीटो पर रावत की कांग्रेस से भाजपा में पलटी से बहुत सारे समीकरण बिगडे हैं। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस हाइकमान ने मुरैना,भिंड से बेहद उम्मीदें पाली थीं। यहां राहुल और प्रियंका गांधी ने बारी-बारी से सभा

की थीं। उम्मीदों की इसी सूची में मंडला और सतना सीटें भी थीं।

बहरहाल, शाह की जीत भाजपा के लिए भी कम 'समस्या' नहीं लाएगी। क्योंकि, शाह भी उसी वादे के तहत कांग्रेस से भाजपा में आए हैं, जो रामनिवास रावत से किया गया व मंत्री बनाकर पूरा किया। शायद इसीलिए भाजपा अंदरखानों से शाह का नाम भी उपचुनाव पूर्व ही कैबिनेट में शामिल करने के लिए उछला था, यदि यह भाजपा नेताओं की 'प्रतिक्रिया' भांपने का उपक्रम था तो संकेत सकारात्मक नहीं हैं। वरिष्ठतम विधायक गोपाल भार्गव भी कड़ी हैरानगी जता चुके हैं तो अजय विश्नोई कह चुके हैं कि सेवा-समर्पण से काम करने वालों और शर्त पर आने वालों में अंतर होता है।

यानि, फिलहाल तो लगता है कि अमरवाड़ा उपचुनाव मप्र में भाजपा और कांग्रेस की *सियासी सिगड़ियों* को गर्म रखेगा। कांग्रेस के भीतर ही खुद को स्थापित करने का संघर्ष कर रहे जीतू के लिए विजयपुर के साथ ही बीना और बुधनी भी फिर नए संघर्ष का कारण बन रहे हैं। लेकिन उम्मीद से ज्यादा बहुमत के बावजूद भाजपा का वह कौन सा फितूर है कि, वह तमाम संभावित दीर्घकालिक दुष्प्रभावों वाले संगठनात्मक खतरे ले रही है?

बाघ को 11केवी हाईटेंशन लाइन का करंट लगाकर मारा, दांत निकालकर दफना दिया ताकि सबूत न मिले

डेढ़ वर्ष बाद पकड़ाए आरोपी तो खोदकर निकाली 98 हडिडयां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बालाघाट में चार लोगों द्वारा मिलकर बाघ को बुरी तरह मौत के घाट उतारे जाने का मामला है। ये चारो लोग शराब के नशे में धुत थे, जिन्होंने 11केवी हाईटेंशन लाइन में फंदा डालकर उसका करंट नीचे फैलाया, जिसमें बाघ फंसा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सबूत मिटाने के लिए चारों ने उसे दफना दिया। दफनाने से पहले चारों आरोपियों ने उसके तीन दांत निकालकर घर में छुपा दिया थे, एक साल बाद उन दांतों को बेचने की फिराक में थे, जिसमें पकड़ा गए और इस तरह बाघ के शिकार का राज खुला। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने बाघ के अंगों की जप्ती के लिए खुदाई की तो केवल 98 हडिडयां मिली है।

एसटीएसएफ के जांच अधिकारियों को बताया कि आरोपी मुन्ना धुर्वे व तेजराम उइके को 10 जुलाई को बालाघाट पंडुतला से पकड़ा था। ये शिकार किए गए बाघ के मुंह से निकाले 3 दांत को बेचने की फिराक में थे। पकड़ाने के बाद जब इनसे पूछताछ की तो इन्होंने पूरा राज उगल दिया। जिसकी निशानदेही पर तीसरे आरोपी अशोक मरकाम को पकड़ा गया। उसने बताया कि मालकटंगा गांव के पास एक वर्ष पहले पार्टी कर रहे थे। मांस खाने की इच्छा हुई, जिसके लिए इन्होंने 11केवी लाइन में अकोड़ा डालकर नीचे करंट फैला दिया था। ये जंगली सुअर की जगह बाघ फंस गया, जिसमें उसकी मौत हो गई।

भगवान का रथ खींचने उमड़े श्रद्धालु

100 किलो फूल से सजा रथ, पांच सौ किलो प्रसाद बंटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस्कॉन मंदिर पटेल नगर की ओर से भव्य जगन्नाथ रथयात्रा जब पुराने शहर में निकली तो इस रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए बड़ी सख्या में श्रद्धालु उमड पड़े। रथ में भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा माता विराजमान किए गए। रथ को सुंदर सुगंधित पुष्प द्वारा सजाया गया था। इसे 100 किलो पुष्प गेंदा, मोगरा, आर्किड, गुलाब का उपयोग किया गया।

भोपाल टाकीज चौराहा से शुरू रथयात्रा पुराने शहर के विभिन्न मार्गो होती हुई, नए शहर रोशनुपरा, न्यू मार्केट होते हुए प्लेटिनम प्लाजा पर पहुंचीं। इस बीच कुछ जगहों पर इसे ट्रेफिक जाम से भी जूझना पड़ा। इसमें देश के अलग-अलग शहरों के अलावा इस्कॉन से जुड़े नीदरलैंड, रसिया सहित अन्य देशों से भी कई भक्त शामिल हुए। कृष्ण के संकीर्तन की ध्वनि में सभी श्रद्धालु आनंद विभोर हो उठे। 500 किलो खाजा प्रसाद, रथ यात्रा में भक्तों को वितरित किया गया। रथ यात्रा का स्वागत सामाजिक संगठन व धार्मिक संगठन के लोगों द्वारा किया गया। कई जगह पुष्प वर्षा की गई।

सरकार से उद्योगपतियों ने की 61 हजार करोड़ के निवेश पर बात

मप्र सरकार का उद्योगपतियों को न्यौता-मप्र में आपका स्वागत है

कनाड़ा, नीदरलैंड जैसे कई देशों के दिग्गजों ने भी निवेश के लिए जताई इच्छा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने मुंबई के उद्योग जगत को मप्र आने का न्यौता दिया है, कई उद्योगपतियों ने इसे स्वीकार करते हुए 61 हजार करोड़ के निवेश की इच्छा भी जताई है। अब सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले समय में ये उद्योगपति मप्र पर निवेश का विस्तृत प्लान तैयार करेंगे।

मप्र के लिए बड़ी बात यह रही कि मुंबई के अलावा कनाडा, थाइलैंड, नीदरलैंड और मलेशिया के औद्योगिक घरानों को भी मप्र की जमीन पसंद आई और वे यहां उद्योग लगाने के लिए तैयार है। इनमें से कनाडा के एकाग्रता समूह की लंबटन कंपनी के प्रमुखों ने तो 1100 करोड़ रुपये के निवेश की मौखिक सहमति भी दे दी है। जबकि अकेले रिलांयस समूह ही 50 हजार करोड़ से अधिक के निवेश के लिए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि सरकार की ओर से मुंबई के होटल ताज में शनिवार को उद्योगपतियों से संवाद किया गया। जिसमें मुंबई समेत महाराष्ट्र के प्रमुख उद्योगपतियों ने मंच साझा किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी को संबोधित किया। जिसमें बताया कि मप्र में ऊर्जा, स्वास्थ्य, हवाई सेवा, खनिज, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल्स, आईटी पार्क, होटल्स समेत कई क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। आप निवेश करने आईये, सरकार आपको हर संभव मदद करेगी।

मुख्यमंत्री से चर्चा में रिलायंस समूह के अनिल अंबानी ने रक्षा व ऊर्जा के क्षेत्र में 50 हजार करोड़, वेलस्पन समूह के बीके गोयनका ने प्लास्टिक पाइप, इनफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 8000 करोड़, कनाडा के एकाग्रता समूह की लंबटन कंपनी ने 1100 करोड़ समेत ग्लोबल इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ब्रूकफिल्ड, सीडीपीक्यू, फायरफेक्स ने हवाई अड्डे, इंडस्ट्रियल पार्क्स, होटल्स, ऊर्जा व अन्य आधारभूत ढांचे में, गोदरेज समूह ने इंदौर में अर्बन इनफ्रास्ट्रक्चर और सीटीआरएल-एस ने भोपाल में 300 करोड़ और योट्टा ने इंदौर में 100 करो? के निवेश की इच्छा जताई है।

ज्योतिषियों की राय... मंत्रों में शक्ति है, रत्नों में नहीं

भोपाल में दो दिन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में दो दिनी कालिदास ज्योतिष सम्मेलन का आज आखिरी सत्र है। ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल और कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के सहयोग से आयोजित सम्मेलन के पहले दिन देश के अलग-अलग शहरों से आए ज्योतिषियों ने अपना परिचय दिया। वहीं दूसरे सत्र में ज्योतिष विद्या से जड़े अपने अनुभव रखे। ज्योतिषियों ने रत्नों का खुलकर विरोध भी किया।इसमें पंडित विनोद गौतम ने तो कहा कि रत्नों का ग्रहों से कोई संबंध नहीं है। भारत को विश्व गुरू बनाने में ज्योतिष की अहम भूमिका है, लेकिन कुछ ऐसे ज्योतिष कहते हैं कि अमुक रत्न धारण कर लो, आपके ऊपर पैसों की वर्षा हो जाएगी। आपके दिन बदल जाएंगे। ऐसा करके कुछ ज्योतिष दलाली कर रहे हैं। ऐसा कोई श्लोक नहीं मिला कि मालूम हो सके कि रत्न पहनने से यह ग्रह शांत हो जाता है। पंडित गौतम की इस बात का मौजूद ज्योतिषियों ने समर्थन किया। बीकानेर राजस्थान से आए डा. नंदकिशोर पुरोहित ने कहा कि ग्रहों को मंत्रों से भी शांत किया जा सकता है। वास्तु दोष भी मंत्रों के जरिए दूर किया जा सकता है।

बिना अनुभव के हो रही भविष्यवाणियां

महाराष्ट्र से आए ज्योतिषी महर्षि दत्तराजन ने कहा कि आजकल बिना अनुभव के ज्योतिष कुछ भी भविष्यवाणियां कर देते हैं, जो सही नहीं निकलती हैं। इससे लोग ज्योतिष विद्या भरोसा करने से कतराने लगे हैं। मैंने इंदिरा गांधी की हत्या से लेकर सहित जो भविष्यवाणियां की वो सही रही निकलीं। सटीक भविष्यवाणियों के लिए ज्योतिष विद्या का गहराई से अध्ययन करें। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमारिया, उज्जैन से आए डा. जयेंद्र कीर्ति छड़ी वाले बाबा, जयपुर के ज्योतिषी दामोदर बंसल, ज्योतिषाचार्य पंडित रामजीवन दुबे सहित अन्य ज्योतिषाचार्यों की मौजूदगी में पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग-2025 सहित ज्योतिष विद्या पर आधारित पुस्तकों का विमोचन किया गया।

नवनिध में शिक्षक-अभिभावक संवाद कार्यक्रम हुआ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक हुई, वहीं 11वीं की छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का किया गया।

शिक्षक-अभिभावक संवाद कार्यक्रम में प्राचार्या अमृता मोटवानी ने विद्यालय में हो रहे नवाचारों व समय-समय पर शिक्षा -प्रणाली में हो रहे बदलावों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षिकाओं को समय-समय पर ट्रेनिंग दी जाती है जिससे वे शिक्षा प्रणाली में हो रहे परिवर्तनों के साथ साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में समर्थ हो सकें। शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थी ऐसी त्रिकोणीय संरचना है जो मिलकर इस विशेष उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। उपप्राचार्या रेखा केवलानी ने छात्राओं की उपलब्धियों, विद्यालय में हो रहे नवीनीकरण, आईटी लैब, डिजिटल क्लास के बारे में बताया। अभिभावकों ने भी अपने विचार रखे। **उन्मुखीकरण कार्यक्रम:** नवनिध में 11वीं की छात्राओं एवं अभिभावकों के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सीबीएसई द्वारा निर्धारित नियमों, नीतियों एवं अपेक्षाओं के बारे में बताया गया। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने सी.बी.एस.ई द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम की जानकारी दी। कविता मुखर्जी,पीजीटी, द्वारा अभिभावकों को प्रश्न पत्र की अंक योजना एवं वर्ष में होने वाली परीक्षाओं की जानकारी दी गई।

विद्यालय के नवाचार बताए प्राचार्या ने

लायंस क्लब मन्नत की नई टीम ने शपथ ली

लायंस क्लब्स का संस्थापन समारोह

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के पांच लाइंस क्लब्स का संस्थापन समारोह आयोजित किया गया। भोपाल मन्नत भी संस्थापन समारोह हुआ। लायंस क्लब भोपाल मन्नत की अध्यक्ष यासमीन कौसर को बनाया गया है। रश्मि दुबे सचिव और जीआर वाधवानी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

सत्र 2024-25 की उनकी टीम के संस्थापन समारोह में लायन कुलभूषण मित्तल पीएमसीसी इंदौर ने क्लब्स के पदाधिकारियों को उनके पदों पर संस्थापित किया। लायन प्रवीण वशिष्ठ, उज्जैन ने नए सदस्यों को लायनवाद से जु?ने की शपथ दिलाई। आयोजन में भोपाल के सभी आरसी और जेडीसी के अलावा अनेक पीडीजी उपस्थित थे।

क्लब की वरिष्ठ सदस्या शशि शर्मा ने ध्वज वंदना पढ़ी। संचालन लायन अशोक परियानी ने किया। कार्यक्रम संयोजक किरण वाधवानी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सीमा शिवेंद्र ने नई अध्यक्ष यास्मीन को कार्यभार सौंपा। संस्थापक अध्यक्ष किरन वाधवानी ने क्लब सदस्यों को उनके अच्छे कार्यों हेतु शील्ड डेकर सम्मानित किया और निःशक्तजन विद्यार्थियों के लिए शिक्षण सामग्री का वितरण भी किया। नई अध्यक्ष को शॉल और श्री फल से सम्मानित किया गया। यास्मीन ने कहा कि मुझे जो कार्य सौंपा गया है, मैं पूरी निष्ठा से क्लब सदस्यों के साथ मिल जुल कर करूंगी। कार्यक्रम में पीडीजी लायन कमल भण्डारी का विशेष सहयोग रहा।

मेट्रो एंकर

साहित्य अकादमी ने बैंगलुरू में किया सम्मान

अनुवाद पुरस्कार 2023 से सम्मानित हुए बाबाणी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साहित्य अकादमी ने बैंगलुरू में संत हिरदाराम नगर के सिंधी साहित्यकार भगवान बाबाणी को सम्मानित किया। अनुवादित पुस्तक 'सादो लिफाफो' के लिए साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार ङ्क 2023 (सिंधी) से सम्मानित किया गया।

भारतीय विद्या भवन बैंगलुरू के सभागार में आयोजित समारोह में साहित्य अकादमी अनुवाद-अवार्ड श्रेणी में बाबाणी को साहित्य अकादमी के प्रेज़ीडेंट माधव कौशक ने बाबाणी को सम्मानित किया। सम्मानम में प्रशस्ति ताम्रपत्र के साथ 50 हजार रुपये पुरस्कार के रूप में दिए गए।

7 साहित्यिक कृतियां

बाबाणी द्वारा अब तक सात साहित्यिक कृतियों की रचना की गई है, जिनमें उनकी तीन मौलिक कृतियां हैं और चार अन्य भाषाओं से सिंधी भाषा में अनुदित हैं। उनकी मूल कृतियां हैं, मां की अं भला खिलां (कविता संग्रह), किराये जा कांधी (नाटक), एवं पंहिंजा पाछ्रा (कविता संग्रह) है। दूसरी भाषाओं से सिंधी अनुवादित कृतियां भी बाबाणी के साहित्यिक अवदान में हैं।

पहले मिले पुरस्कार: मां कीअं भला खिलां एवं किराये जा कांधी को मध्यप्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी का 'श्रेष्ठ कृति अवार्ड' वर्ष 2006 एवं 2015 तथा किराये जा कांधी पर वर्ष 2015 का एनसीपीएसएल साहित्यिक पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा पूर्व उपप्रधानमंत्री भारत-रत्न लालकृष्ण द्वारा उन्हें वर्ष 2022 में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के 'संत हिरदाराम साहित्य गौरव सम्मान 2021' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

बता दे केन्द्रीय साहित्य अकादमी द्वारा उपरोक्त पुरुस्कार प्रदान करने का निर्णय साहित्य अकादमी के कार्यकारी बोर्ड द्वारा 11 मार्च 2024 को नई दिल्ली में लिया गया था। केंद्रीय साहित्य अकादमी द्वारा प्रति वर्ष 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार देती है।

प्राकृतिक चिकित्सा का 10 दिवसीय शिविर शुरू

'खान पान में अनुशासन निरोगी काया की गारंटी'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला' में दस दिवसीय शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत शुक्रवार को हुई। शिविर में देश के विभिन्न हिस्सों से आए साधक-साधिकाएं हिस्सा ले रहे हैं। शिविर के पहले दिन पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया। शुभारंभ व्याख्यान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गुलाब राय टेवानी ने दिय। टेवानी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना सम्भव है। शिविर में अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखते है। शरीर का शुद्धिकरण

होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर' रखा गया है। इस शिविर में आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। इस शिविर में शरीर शुद्धिकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्धिकरण होता है, हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि हम स्वस्थ है और हमेशा स्वस्थ रहेंगे, यदि हम ऐसे सकारात्मक विचार रखते हैं, तो हम कभी भी बीमार महसूस नहीं करेंगे।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"नई शिक्षा नीति से युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय हो रही है। मध्यप्रदेश के युवा गुणवत्तापूर्ण एवं आज के उभरते क्षेत्रों में कौशलवान बनाने वाली शिक्षा से अपना बेहतर कल गढ़ सकें, इसके लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"एक पेड़ माँ के नाम अभियान"
साढ़े 5 करोड़ पौधरोपण के लक्ष्य की ओर
बढ़ता मध्यप्रदेश

11 लाख
पौधरोपण कार्यक्रम

अपराह्न 12:30 बजे

रेवती रेंज, बीएसएफ परिसर, इंदौर

आत्मनिर्भर भविष्य की ओर
मूल्य-आधारित शिक्षा की पहल

समस्त 55 जिलों में
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
का शुभारंभ

अपराह्न 2:00 बजे

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं
वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

मुख्य अतिथि
अमित शाह
गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

14 जुलाई, 2024 I इंदौर, मध्यप्रदेश

हर जिले में एक शासकीय महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन

- अधोसंरचना विकास के लिए ₹ 336 करोड़ एवं 2232 शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों के लिए ₹ 150 करोड़ वार्षिक स्वीकृत।
- शैक्षणिक गुणवत्ता के उच्च मानकों के लिए शैक्षणिक अमले का मेरिट आधार पर पदांकन एवं प्रशिक्षण।
- स्किल पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों का सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा प्रशिक्षण।
- समस्त कॉलेज होंगे बहुसंकायी।
- समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस एवं संस्कृत विषय होंगे उपलब्ध।
- 07 महाविद्यालय बने यू.जी. से पी.जी.।
- 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 08 एप्रेन्टिसशिप एम्बेडेड स्किल आधारित स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन।
- 40% रियायती दर पर पुस्तकों के लिए मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के काउन्टर होंगे स्थापित।
- आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से Artificial Intelligence एवं Fintech with AI, के सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे।
- एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से- एयरपोर्ट वेयरहाउस को-ऑर्डिनेटर, एयरपोर्ट सेफ्टी क्रू, एयरलाइन केबिन क्रू, फ्लाइट डिस्पेचर, एयरलाइन कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव, एयरलाइन रिजर्वेशन एजेंट, एयरलाइन फ्लाईट लोड एवं को-ऑर्डिनेटर विषय में सर्टिफिकेट कोर्स।
- प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा होगी उपलब्ध।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप महाविद्यालयों में "भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ" की स्थापना।
- पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रीन कैम्पस हेतु "विद्यावन" का चिन्हांकन कर नीम, पीपल, करेंज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ इत्यादि वृक्षों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11032/24

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

ऐसी शादी जिसकी चर्चा ख़त्म होने का नाम नहीं ले रही

मोहम्मद हनीफ़

बॉलीवुड की पुरानी फ़िल्मों में शादी का सीन ज़रूर होता था, बारात गाजे-बाजे के साथ आती थी और जब शादी का समय आता था या जोड़ा सात फेरे लेने लगता था, तो एक टूटे दिल वाला ग़मगीन किरदार आता. यह किरदार आकर डायलॉग बोलता था, बाई, ये शादी नहीं हो सकती. फिर फ़िल्में मॉडर्न हो गईं. डायरेक्टरों को अहसास हुआ कि शादी, बारात और गाजे-बाजे के बिना भी फ़िल्में बनाई जा सकती हैं। कुछ लोगों ने सोचा कि असली और बड़ी कहानी शादी के बाद शुरू होती है और उस पर भी फ़िल्में बननी चाहिए। अब आधा साल बीत चुका है. इस आधे साल में इसराइल ने ग़ज़ा में हज़ारों बच्चों की हत्या कर दी है. भारत, ब्रिटेन और फ़्रांस में चुनाव भी हो चुके हैं। एक क्रिकेट वर्ल्ड कप भी हो चुका है, लेकिन अंबानी के बेटे की शादी अभी भी चल रही है। शादी में दिखावा करना अमीर लोगों का पुराना रिवाज़ है. पहले मेहंदी, फिर बारात और फिर वलीमा (शादी की दावत) होता था। चौधरी ने सारे गाँव को निमंत्रण दे दिया. जो शहर का सेठ होता था, वह किसी वज़ीर-सज़ीर को बुलाकर, किसी एक्टर या सिंगर को पैसे देकर उनके साथ तस्वीरें खिंचवाता। इसके बाद रोटी खोल देनी, सबको पेट भरकर खिलानी और उसके बाद तम्बू-टेंट समेट दिए जाने और लोग अपने-अपने घर।

चूंकि अंबानी एक ग्लोबल सेठ हैं इसलिए उनके शगुन भी लंबे हैं। शगुन देने वाले लोगों की लिस्ट में मार्क ज़ुकरबर्ग और बिल गेट्स भी शामिल हुए हैं। बॉलीवुड के ख़ानों ने भी भांगड़ा किया। जस्टिन बीबर ने

बनियान पहनकर डांस किया।

रिहाना और दिलजीत दोसांझ नाचे भी हैं और उन्होंने सबको नचाया भी है। ख़ुद अंबानी और उनके बीवी-बच्चे भी गाने-बजाने के वीडियो दिखाते रहते हैं। मानो हमें बता रहे हों कि हम सेठों के सेठ बन गए हैं लेकिन अंदर से हम भी आपके जैसे ही हैं। हमारा दिल भी यही चाहता है कि हम शाहरुख़ ख़ान और करीना कपूर बनें और कैमरे के सामने अपने होंठ हिलाएं। पुराने सेठ मुनाफ़ा भी मज़दूरों के पसीने से कमाते थे, लेकिन अब आ गये हैं महासेठ। आजकल तो ऐसा लगता है कि कुछ तो अंबानियों के वर्कर हैं और बाकी सब उनके।

जिस वाई-फ़ाई या मोबाइल डेटा से आप यह लेख पढ़ रहे होंगे शायद उसका बिल आपको अंबानी की कोई कंपनी भेजे। जिस मोटरसाइकिल में सुबह पेट्रोल भरवाया था वो भी उन्होंने आपको बेचा होगा। जिस सड़क पर आप मोटरसाइकिल चलाकर आये हैं हो सकता है उस सड़क के निर्माण का ठेका भी उनके पास ही हो। घर की रसोई में जाओगे तो, गैस सिलेंडर भी उनका है और आजकल तो सुना है आटा-दाल, आलू-टमाटर भी बेच रहे हैं। बाथरूम में सफ़ाई का सामान भी आपको अंबानी की किसी कंपनी ने बेचा होगा।

अब पांच-छह महीने से चल रही शादी को देखकर ऐसा लग रहा है कि अंबानी एक हाथ से हमारी जेब से पैसे निकाल रहे हैं और दूसरे हाथ से उसी पैसे से अपने बेटे की शादी करा रहे हैं। पता नहीं इतना लंबा जश्न इंडिया की सॉफ़्ट पावर दिखाने के लिए चल रहा है या सिर्फ़ अपने बेटे का दिल ख़ुश करने के लिए। या जैसा कि कुछ लोग कहते हैं कि हमसे कहा जा रहा है कि %अरे ग़रीबों, देखो और जलो।% लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि अंबानी परिवार को इस बात का अहसास हो कि शादी में जितने भी सौ मिलियन डॉलर का ख़र्च हुआ है, आखिर इस ख़र्च में हमने भी रुपये-रुपये का योगदान दिया है और वे हमें यह बता रहे हैं कि आप भी वीडियो देखें और मज़े करें। इसे हमारी नहीं, बल्कि अपनी ही शादी समझो। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि इंडिया की हुकूमत का शायद इतना दबदबा नहीं है जितना कि अंबानियों का है। इसलिए किसी में भी इतनी हिम्मत हो ही नहीं सकती कि यह कह दे कि यह शादी नहीं हो सकती है या इस शादी को अब ख़त्म भी कर दो। लेकिन ग़रीब लोग हाथ जोड़कर दुआ तो कर ही सकते हैं कि भगवान इस जोड़े को सलामत रखे, लेकिन इस शादी को अभी ख़त्म होने दीजिए। टेंट लपेटें कहीं प्री-वेडिंग और वेडिंग के बाद पोस्ट वेडिंग जश्न न शुरू कर देना। ऐसा न हो कि हनीमून होटल के बाहर भी कैमरे लगे हों और दलेर मेहंदी कोई शादी का गाना गा रहे हों। इसके बाद हमें किसी काम का नहीं रहना है। आख़िरकार नए जोड़े को भी बच्चे होंगे. फिर वे बड़े होंगे. फिर उनकी भी शादी होगी. उसका बोझ किसे उठाना है? अगर हमारे पास मज़दूरी करने का समय न हो और हमने आपके मोबाइल डेटा बिल न दिए तो इन बच्चों के बच्चों की शादी का ख़र्च कहां से पूरा होगा? रब्ब-राखा.

(लेखक पाकिस्तान से हैं और यह उनके निजी विचार हैं। साभार-बीबीसी हिंदी)

कभी दिल की सुनें तो कभी दिमाग की

कीर्तिशेखर

ज्ञान कहता है, सच्चाई का आधार तर्क है। बिना तर्क किसी बात का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन जीवन के अनुभव कहते हैं, सिर्फ तर्क से जीवन नहीं चलता। भले आज की पीढ़ी ज्यादा तार्किक और लॉजिकल हो, इसलिए वह दिल की सुनने की बजाय दिमाग से ज्यादा सुनती हो। लेकिन क्या वाकई दिमाग की सुनना ही साइंटिफिक है? साइंस ऐसा भी नहीं मानती। साइंस नहीं मानती कि हमारे मन में उभरने वाले आभास साइंटिफिक नहीं होते या दिल की आवाज का अपना कोई आधार नहीं होता। मन में उभरने वाले आभासों पर भी विज्ञान मुहर लगाता है। संवेदना के विज्ञान को समझें तो जज्बात साइंटिफिक होते हैं। भले वे तर्क की कसौटी पर थोड़े धुंधले नजर आते हों। जरा इन दो स्थितियों पर गौर करिये -दिमाग सोचता है मां से झूठ बोल देता हूं, उसे क्या पता चलेगा? लेकिन दिल कहता है मां सब कुछ जानती है। वह बिना कहे ही हमारा मन पढ़ लेती है। इसलिए बेहतर है मां को सब-कुछ साफ साफ बता दिया जाए। अब इन दोनों बातों को अपने अपने हिसाब से कोई भी सही साबित कर सकता है। दिमाग का कोई पक्षधर यह साबित कर सकता है कि मां से अपनी कोई गलती बताने से बेहतर है, उसे छुपा लिया जाए ताकि उसका मन न दुखे और सबक लिया जाए कि अगली बार से उसकी जरूरत न पड़े। इस तरह से देखें तो दिमाग की सुनना वाकई यहां सही लग रहा है। लेकिन अगर निश्छलता की कसौटी पर देखें तो जब कोई बच्चा अपनी किसी छोटी सी गलती को मां से छुपाता है तो वह झूठ बोलने की नींव रख रहा होता है, यह झूठ जब मां को या किसी को भी पता चलता है तब मन बहुत खराब होता है। तो छोटी सी बात छिपाना भी सही नहीं है।मतलब यह कि चरम पर दोनों स्थितियों का अपनी तरह से फायदा और अपनी तरह से नुकसान है। लेकिन दोनों में कोई भी एक स्थिति ऐसी नहीं है, जिसके साथ हुआ जाए और जिसके लिए दूसरी स्थिति को छोड़ा जाए। विज्ञान कहता है कि भले दिल की बातों का ठोस तर्क और रूप न होता हो, लेकिन दिल में उठने वाली बातें बेवजह या अवैज्ञानिक कतई नहीं होतीं। दरअसल हमारी सोच, हमारे व्यापक अनुभवों का नतीजा होती है। हमारा मस्तिष्क कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर की तरह काम करता है।दरअसल दिल हो या दिमाग दोनों ही अपने स्तर पर हमें अपने-अपने तरीके से करेक्ट करने की कोशिश करते हैं। मसलन हम अंधेरे में बीच सड़क से चल रहे हों तो मन से आवाज आती है, यह सही नहीं है। दुर्घटना हो सकती है और हम अचानक किनारे से चलने लगते हैं, तभी देखते हैं कि यकायक बढ़ी तेजी से कोई वाहन गुजर जाता है और हमारे मन में झुरझुरी सी फैल जाती है। हम सोचते हैं अगर हम किनारे न चल रहे होते तो पता नहीं क्या होता? कई बार दिल की सुनना तब और राहत देता है, जब हम पानी भरी सड़क में कार से चल रहे हों और सड़क में बीच में चलने से अचानक कार का पहिया गड्ढे में चला जाए। ऐसे में हम अपने को बार-बार यही कोसेंगे कि दिल कहता था किनारे चलो, हमने दिल की नहीं सुनी, अब भुगतो।

दरअसल दिल और दिमाग दोनों ही साइंटिफिक होते हैं और हमारी जिंदगी की सफलताओं या असफलताओं दोनों की ही भूमिका होती है। सच तो यह है कि अलग-अलग मौकों पर परिस्थितियों के हिसाब से कभी दिल की सुननी जरूरी होती है, तो कभी दिमाग की।जिन निर्णयों से हमें लंबे समय तक प्रभावित होना होता है, उन्हें बहुत सोच-समझकर और मन की बजाय मस्तिष्क से सोचने के बाद लेना चाहिए। दिमाग ऐसे दांव पर सवाल खड़ा करता है, जैसे दावों के अतीत में पूरा उतारने पर संदेह रहा हो। यह 100 में 99 बार सही भी होता है। लेकिन यह भी सही है कि जो पहले कभी न हुआ हो, जरूरी नहीं है कि वह बाद में भी कभी न हो। 20वीं शताब्दी के आखिरी दशक तक 100 मीटर की फर्राटा दौड़, 10 सेकेंड से कम में पूरी नहीं हो रही थी। इसलिए 1950 या इसके पहले कोई एथलीट दिमाग की न सुनकर 100 मीटर की फर्राटा दौड़ के लिए 10 सेकंड से कम समय में पूरा करने के लिए बाजी लगाता, तब तो यह उसकी हार होती। लेकिन अंततः जब धावकों ने 10 सेकंड से कम के समय में 100 मीटर दौड़ने का रिकॉर्ड तोड़ दिया तो यह सही हो। मस्तिष्क ज्यादातर बार इसलिए सही होता है, क्योंकि उसके फैसलों में हजारों कामयाब फैसलों का निष्कर्ष छिपा होता है, इसलिए जिंदगी के मामले में दिल से ज्यादा दिमाग का सोचना दुरुस्त होता है। फिर भी दिल से सोचना गैर जरूरी नहीं होता।

माफी नहीं मिलती, अर्जित करनी पड़ती है; अंतिम लक्ष्य अपने जीवन में शांति से रहना है

विशांत श्रीवास्तव

एक रोज ग्रेगरी खेल रही थी कि उसके घुटने में तेज दर्द हुआ। जब उसने अपने माता-पिता को बताया, तो वे चिंतित होने के बजाय उसे डांटने लगे। दरअसल उसके माता-पिता दोनों नौकरी करते थे और दोनों ही बेहद महत्वाकांक्षी थे। ग्रेगरी को इसकी आदत थी। लेकिन घुटने का उसका दर्द बना रहा। उसने दर्द के साथ जीना सीख लिया। दशकों बाद ग्रेगरी को पता चला कि उसके घुटने के जोड़ में हड्डी का एक टुकड़ा फंसा है, जिसके लिए सर्जरी कराने की जरूरत थी। उसने सर्जरी कराई और अब वह स्वस्थ है। लेकिन वह सोचती है कि माता-पिता की उपेक्षा ने उसे किस हद तक प्रभावित किया। अब ग्रेगरी खुद डॉक्टर है, समझदार है। उसने सोचना शुरू किया कि क्या उसे अपने माता-पिता को माफ कर देना चाहिए। नैतिक मूल्य तो यही कहते हैं कि माफ कर देना ही बेहतर होता है। उसने सोचा कि दरअसल, माफ करना होता क्या है। रॉबर्ट एनराइट जैसे विद्वानों का कहना है कि माफ करना उन लोगों के प्रति अच्छाई दिखाना है, जिन्होंने आपके साथ अच्छा नहीं किया है। लेकिन ग्रेगरी सवाल उठाती हैं कि क्या यह नैतिक धारणा हर स्थिति के लिए सही होती है। गलती, करने वाले को माफ करने से करुणा, उदारता और प्रेम जैसे गुण मजबूत होते हैं। लेकिन जिसने आघात सहा है, उसका क्या? स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी फॉरगिवनेस प्रोजेक्ट के निदेशक और शोधकर्ता फ्रेडरिक लुस्किन का मानना है कि अंतिम लक्ष्य अपने जीवन में शांति से रहना है। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू ने एक बार कहा था, माफी के बिना, सद्भाव के बिना हमारा कोई भविष्य नहीं है? तो क्या माफ करने का एक मात्र उद्देश्य यही है कि कड़वाहट से बचा जा सके? अपनी पुस्तक यू डॉन्ट नीड टू फॉरगिवः ट्रॉमा रिकवरी ओन योर ऑन टर्म्स में ग्रेगरी इसी विषय पर

चर्चा करेंगी, जो अगले वर्ष प्रकाशित होगी। उनके अनुसार, क्षमा करना एक भावनात्मक प्रक्रिया है, न कि अंतिम लक्ष्य। ग्रेगरी कहती हैं कि यदि आप बेहतर महसूस करें, तो दिल दुखाने वाले को माफ कर दें या अच्छा नहीं लगे, तो माफ नहीं करें। डॉ. लस्किन कहते हैं कि माफी हासिल करनी पड़ती है, यह तत्काल नहीं मिलती। लोगों को शोक से उबरने में समय लगता है। ग्रेगरी ने अपने पिता को माफ नहीं किया है। हालांकि मां के बारे में उनका मानना है कि उनकी परवरिश ठीक से नहीं हुई। वह कहती हैं, कभी-कभी माफ करने से पहले भावनाओं की कई तरह से मरम्मत करनी पड़ती है।

5 बेहतरीन जगह जहां मॉनसून का मज़ा हो जाता है दुगना !

अक्षय शर्मा

अगर हिंदुस्तान एक नयी नवेली दुल्हन जैसी है तो मॉनसून उसके लिए एक बिंदी की तरह है जो उसकी खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है । हर शहर, हर गाँव हरियाली के आलम में मदमस्त हुआ रहता है । ऐसे में अगर आप सह-परिवार छुट्टी के लिए निकल जाएँ तो वो छुट्टी और भी यादगार बन जाती है। इनमें **लोनावला,** उदयपुर,चेरापूंजी, ओरछा और मुन्नार।

लोनावला अगर आप मुंबई में रहते हैं तो आपके लिए मॉनसून में जाने वाली सबसे बढ़िया जगह है लोनावाला ! मॉनसून की शुरुआत के साथ सह्याद्री पर्वत श्रृंखलाएँ और हरे घाट, झरने और सुखद जलवायु और आकर्षक हो जातें हैं। शहर की हलचल से बचने के लिए मुंबई के इस खूबसूरत पहाड़ी इलाके की यात्रा की योजना बनाएँ। लोनावला में अपना एक रेलवे स्टेशन है जहाँ पुणे और मुंबई से काफी गाड़ियाँ रोज़ आती हैं । सबसे पास एयरपोर्ट है पुणे में, जो वहाँ से 60 कि.मी. दूर है। और आप अगर मुंबई या पुणे से आ रहे हैं तो अपनी कार से भी आ सकते हैं, केवल डेढ़ घंटे का रास्ता है दोनों शहरों से ।

उदयपुरः यह दुनिया के सबसे रोमांटिक शहरों में से एक माना जाता है और इसे ठीक ही पूर्व के वेनिस का टैग मिला है। यह एक ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह कई शताब्दियों से मेवाड़ की राजधानी बना हुआ है। शहर का मुख्य आकर्षण सिटी पैलेस और उदयपुर लेक पैलेस है जो पिचोला झील के मध्य में स्थित है। उदयपुर की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मॉनसून के मौसम में होगा क्योंकि आपको राजस्थान की तड़कती गर्मी से राहत मिलती है।

कैसे पहुँचे - उदयपुर में अपना एक रेलवे स्टेशन है जहाँ पूरे भारतवर्ष से काफी गाड़ियाँ रोज़ आती हैं । महाराणा प्रताप एयरपोर्ट भी है उदयपुर में तो आप हवाई ज़हाज़ से भी आ सकते हैं चेरापुंजी। अगर आप बारिश से प्यार करते हैं, तो आपको मॉनसून के दौरान चेरापुंजी का दौरा करना ही पड़ेगा जो विशाल परिदृश्य और पहाड़ियों से ढका हुआ है। यहाँ की रोमांचक मॉनसून ट्रेकिंग यात्रा भी काफी प्रसिद्ध है। आप यहाँ अनोखे नारंगी फूल से शहद पा सकते हैं और मेघालय चाय को पीना ना भूले क्योंकि ये असम या दार्जिलिंग चाय से काफी अलग है। डबल डेकर ट्री पुलों का यहा एक ऐसा अनुभव है जो मॉनसून में और भी अच्छा हो सकता है।- चेरापुंजी में अपना एक रेलवे स्टेशन है जहाँ पूरे भारतवर्ष से काफी गाड़ियाँ रोज़ आती हैं । सबसे पास एयरपोर्ट है शिलांग में है, जो वहाँ से 53 कि.मी. दूर है और आप अगर उत्तर पूर्व भारत से आ रहे हैं तो अपनी कार से भी आ सकते हैं, सड़कें अच्छी हैं।

मुन्नार : पत्तियों और शाखाओं से गिरने वाली पानी की बूंदो के साथ चाय और मसाला बागानों का नज़ारा, अगस्त में मुन्नार एक प्रकृति प्रेमी के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। उँचे पहाड़ धुंध की चादर से घिरे रहते हैं और बारिश हर चीज को नया सा कर दे देती है। अगर आपको पहाड़ो के बीच में कुछ शांत समय की तलाश है तो दक्षिण में मुन्नार एक आदर्श जगह है। क्योंकि यहाँ अगस्त में पीक टूरिस्ट सीज़न नहीं होता, तो आप बिना किसी भीड़ के और सीजन की कम कीमतों का आनंद ले सकते हैं ! मुन्नार के सबसे निकट रेलवे स्टेशन अलुवा में है जो वहाँ से 110 कि.मी. दूर है । सबसे पास एयरपोर्ट है कोचीन में, जो वहाँ से 110 कि.मी. दूर है,

ओरछाः मॉनसून में भारत में आने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक यह है यह शहर, 1501 में राजा रुद्र प्रताप द्वारा बसाया गया था। पहाड़ियों से घिरा, ओरछा बेतवा नदी पर स्थित है और कस्टर्ड सेब की मीठी खूशबू से घिरा रहता है। इस लहराती भूमि में विशाल मंदिर और किले हैं।ओरछा के सबसे निकट रेलवे स्टेशन झाँसी में है जो वहाँ से 18 कि.मी. दूर है । सबसे पास एयरपोर्ट है ग्वालियर में, जो वहाँ से 123 कि.मी. दूर है । और आप अगर मध्य भारत से आ रहे हैं तो अपनी कार से भी आ सकते हैं, सड़कें अच्छी हैं ।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया निमसाड़िया हायर सेकेण्डरी स्कूल का निरीक्षण

नर्मदापुरम। शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम एसपीएस बिसेन द्वारा निमसाड़िया हायर सेकेंड्री स्कूल का सुबह 10-30 बजे निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कक्षा में बच्चों के ज्ञान का स्तर का पता लगाया गया। श्री बिसेन ने निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य सीमा भलावी के समय से नहीं आने के कारण, उनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

चोरी गई पांच क्विंटल मूंग समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

इटारसी। कावड़ मोहल्ला शिवनारायण चौधरी के मेरे खलिहान मे बने कमरे का ताला तोड़कर मूंग की बोरियाँ चुराने वालों को पुलिस ने दबोचा है। चोरी की विवेचना के लिए थाना प्रभारी इटारसी गौरव बुंदेला ने टीम बनाकर सरगर्मी से आरोपियों की तलाश करते हुए कस्वा इटारसी से आरोपी आशू पिता राजू चौधरी प्रमोद, मंजू, अरविन्द सभी निवासी कावड़ मोहल्ला इटारसी के मेमोरेंडम के आधार पर इटारसी स्थित 18 बंगला क्षेत्र के खंडर मकान से 5 क्विंटल 21 किलो ग्राम मूंग की कुल 12 बोरियाँ कीमती 44285/- रुपये विधिवत जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। जप्त सामग्री - 5 क्विंटल 21 किलो ग्राम मूंग की कुल 12 बोरियाँ कीमती 44285/- रुपये। घटना के आरोपियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करने वाले इटारसी थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला, उनि श्रद्धा राजपूत, प्र0 आर0 अशोक चौहान, पभूपेश मिश्रा, अबरार, तुलसीराम कोडले, शाकिर खान, जय प्रकाश पाठे, गजेन्द्र डडोरे, राकेश परते की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पर्यटन विभाग द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल दिएजाने हेतु प्रशिक्षण

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में पर्यटन स्थलों पर मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा लगातार 50 पर्यटन स्थलों पर अलग अलग संस्थाओं द्वारा महिलाओं के सुरक्षित पर्यटन स्थल हेतु दिये जा रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पर्यटन स्थल पर महिलाओं को स्वतंत्र घूमने की एक बड़ी पहल है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन एवं इंडियन ग्रामीण सर्विसेज द्वारा पीजी कॉलेज पिपरिया में 5 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। उधमिता सॉफ्ट स्किल, डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण समापन के दौरान कार्यक्रम में कॉलेज से पीजी विभाग की डॉ. अनीता सेन, महिंद्रा इंस्टीट्यूशन से सुश्री अपर्णा विश्वकर्मा, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद से पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर और इंडियन ग्रामीण सर्विसेज से पिनाकी नायक (आईजीएस) के सहयोग से सत्र का आयोजन किया गया। जिसमे कॉलेज की छात्राओं ने भाग लिया। पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा परियोजना के तहत सभी 50 पर्यटन स्थलों पर लगातार महिलाओं को सुरक्षित पर्यटन हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को प्रशिक्षण उपरांत रोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं वही आई जी एस संस्था के सदस्य पिनाकी नायक द्वारा बताया गया कि पर्यटन स्थलों पर ग्रामीणों को लगातार विभिन्न प्रशिक्षण महिलाओं को दिए जा रहे हैं। साथ ही होमस्टे के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है ताकि ग्रामीणों का जीवन स्तर में सुधार भी आ सके साथ ही महिलाओं को प्रशिक्षित कर पर्यटन स्थलों पर उन्हें रोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं पीजी विभाग की डॉ. अनीता सेन, महिंद्रा इंस्टीट्यूशन से सुश्री अपर्णा विश्वकर्मा द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन का आभार भी व्यक्त किया गया।

रोजगारोन्मुखी शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष पहल

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट, गुणवत्तापरक, समग्र, समावेशी और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिये प्रदेश के 55 जिलों के महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन कर जुलाई 2024 से प्रारंभ किया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अधोसंरचना विकास, भवन विस्तार, लैब उपकरण, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं, फर्नीचर आदि के लिए 336.00 करोड़ एवं 2232 नवीन पदों हेतु 150 करोड़ रूपये वार्षिक आवर्ती व्यय हेतु स्वीकृत किए गए हैं। सभी 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में 1845 शैक्षणिक एवं 387 तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के पद सृजित किये गए। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस को बहुसंकायी बनाने एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन के लिये 07 महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर नवीन संकाय एवं 55 महाविद्यालय में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत, बायो-टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस जैसे नवीन विषय शामिल किये गए हैं। साथ ही 55 महाविद्यालयों में पृथक-पृथक 27 विषयों में स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ की गई हैं।

स्किल आधारित 8 स्नातक पाठ्यक्रम 105 महाविद्यालयों में होंगे शुरू

प्रदेश में कुल 105 महाविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के 6 सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से 8 एप्रेन्टिशिप एम्बेडेड (स्किल आधारित) स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किये गये है।इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज

ऑफ एक्सीलेंस तथा 50 अन्य महाविद्यालय भी सम्मिलित है। स्किल आधारित 8 पाठ्यक्रम बी. कॉम लॉजिस्टिक, बी. कॉम. ई-कॉम ऑपरेशन, बी. कॉम इन रिटेल ऑपरेशन, बी.कॉम. वी.एफ.एस. आई, बी.एससी इन हेल्थकेयर मैनेजमेंट, बी. एससी मार्केटिंग एण्ड सेल्स (फार्मा एण्ड मेड टेक), बी.एससी फार्मासियूटिकल मैन्यूफेक्चरिंग एण्ड क्वालिटी और बी. कॉम ह्यूमेन रिसोर्स ऑपरेशन फॉर एम.ई.पी.एस.सी. शामिल किये गये है। एन.सी.टी.ई. से अनुमति प्राप्त होने पर प्रदेश के सभी 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बी.एड. पाठ्यक्रम भी आरम्भ किया जाएगा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आई आई टी दिल्ली में रूप आधार पर आई.टी. के 02 सर्टिफिकेट कोर्स (90 घंटे के ऑनलाइन) संचालित किए जायेंगे। प्रदेश के चुनिंदा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एविएशन सेक्टर स्किल कांउसिल के माध्यम से 03 से 04 माह के 07 सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 :लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम से शिक्षण सामग्री उपलब्ध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में नवनिर्मित स्नातक पाठ्यक्रमों के आधार पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम से विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। आईटी के माध्यम से नवीन पेडागोजी के माध्यम से शिक्षकों को शिक्षण कार्य की प्रक्रिया का विधिवत अध्ययन कराया जा रहा है।

भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की स्थापना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के अनुरूप महाविद्यालयों में ÷भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ÷ की स्थापना की जा रही है। इसमें समस्त विषयों की भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पुस्तकें, वेद, पुराण, उपनिषद आदि शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमजन के लिए उपलब्ध कराए जा रहे है। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित वीडियो आदि के प्रर्दशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

गुणवत्तापरक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रधानमंत्री की परिकल्पना को साकार करते हुए समस्त प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते हुए उत्कृष्ट, गुणवत्तापरक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के समुचित प्रबंध किये गये हैं, जिससे ये महाविद्यालय प्रदेश को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य के तहत छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अध्यनरत छात्र-छात्राओं को काउंसलर्स द्वारा राष्ट्रीय किशोर कार्यक्रम के मुख्य बिंदुओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में गत दिवस बेगमगंज में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के काउंसलर श्री मिथुन यादव द्वारा सीएम राइज स्कूल बेगमगंज के छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत पोषण में सुधार, प्रजनन स्वास्थ्य को सक्षम बनाना, मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा, मादक द्रव्यों के उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में किशोरों की जागरूकता, किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समाधान सहित अन्य बिन्दुओं के बारे में बताया गया।

उच्च ब्याज दर पर सूदखोरी की सूचना पर कलेक्टर ने लिया संज्ञान

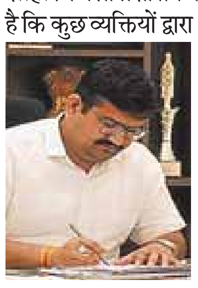

सीहोर जिला प्रशासन के यहा संज्ञान में लाया गया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा रुपए सूद (ब्याज) पर देने का काम किया जा रहा है। उनके पास पैसा ब्याज पर देने का साहूकारी लाइसेंस नहीं है। जिनके पास यह लाइसेंस है, वे भी लोगों को उच्च ब्याज दर पर रुपया उधार दे रहे है। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए नागरिकों से कहा है कि जो भी व्यक्ति ऐसे सूदखोरों के संबंध में शिकायत करना चाहते हैं, वे 15 एवं 24 जुलाई 2024 को कार्यालयीन समय दोपहर 3.00 बजे से 5.00 बजे तक कलेक्टर कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। शिकायतकर्ता का नाम एवं उनकी शिकायत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में किया पौधरोपण

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में सम्पूर्ण जिले में पौधरोपण किया जा रहा है। जिले में ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में शासकीय कार्यालय परिसरों, स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवनों, पार्क सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण किया जा रहा है। जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, समाजसेवियों, नागरिकों द्वारा सहभागिता की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को नगर परिषद सिलवानी, औबेदुल्लागंज, बाड़ी, सांची, गैरतगंज सहित अन्य क्षेत्रों में नगर परिषद द्वारा पौधरोपण किया गया। साथ ही वायुदूत एप पर रजिस्ट्रेशन कर पौधरोपण की फोटो भी अपलोड की गई। पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगाए गए।

मेट्रो एंकर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयित हुआ

नर्मदा महाविद्यालय के उन्नयन होने से विद्यार्थियों की अब उच्च शिक्षा होगी और बेहतर

नर्मदापुरम दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के 55 जिलों के महाविद्यालयों को ÷प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में उन्नयन किया जा रहा है। इस योजना में नर्मदापुरम के शासकीय नर्मदा महाविद्यालय का उन्नयन हुआ है। नर्मदापुरम के महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के उन्नयन होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अन्य विषयों को पढ़ाया जाएगा।

प्राचार्य शासकीय नर्मदा महाविद्यालय ओएन चौबे ने बताया कि महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में उन्नयन हुआ है। इसके उन्नयन होने से अब इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बहु संकाय अध्यापन शुरू की गई है। बच्चों के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यहां पर भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी पुस्तकों का भी प्रदर्शन रहेगा। यहां पर अध्यन-अध्यापन की सुविधा रहेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत विद्यार्थियों को वेद, पुराण से संबंधित सारी सामाग्री की सुविधा दी जाएगी। साथ ही म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी की जो पुस्तकें प्रकाशित होती है उनका भी स्टॉल लगाया जाएगा। प्राचार्य श्री चौबे ने बताया महाविद्यालय में

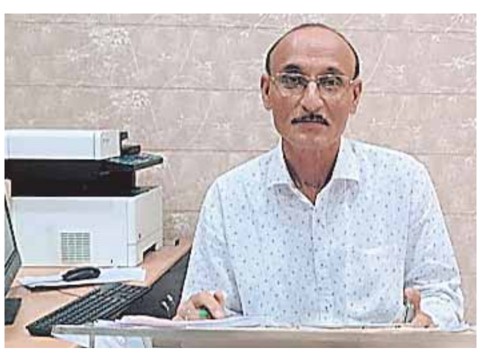

विद्या वन बनाया जा रहा है, विद्या वन में विद्यार्थी और आम नागरिक भी अपने परिवारजनों के नाम से पौधारोपण कर सकेंगें। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय को आकर्षक बनाया जा रहा है। पूरे परिसर में रंगरोगन किया गया है। साथ ही संभाग स्तरीय महाविद्यालय होने के कारण यहां विद्यार्थियों के लिए बस सुविधा की कार्य योजना भी बनाई गई है। प्राचार्य श्री चौबे ने बताया है महाविद्यालय में कुछ विशेष विषय खोले गए हैं। क्रिप्स के अंतर्गत बी.कॉम बीएफएसआई खोला गया है, जिससे विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत जॉब की गारंटी होगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन समारोह आज

नर्मदापुरम. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस नर्मदापुरम का उद्घाटन समारोह आज अपरान्ह 01-45 बजे से स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं होशंगाबाद लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनीमालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा एवं पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी करेंगे। प्राचार्य शा0 नर्मदा महाविद्यालय डॉ ओ.एन चौबे ने इस अवसर पर समस्त नगरवासियों को कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया गया है

वन विभाग ने वीरपुर -औराखेडी से हटाया अतिक्रमण, टपरे पर चली जेसीबी

सिरोंज। शनिवार को वन परीक्षित अधिकारी देवेश गौतम ने ग्राम औराखेडी और वीरपुर के बीच में वन जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके टपर और बगड़ आदि लगाने वालों पर कार्रवाई करते हुए टीम ने खड़े होकर जेसीबी की सहायता से हटाकर बगड़ को भी नष्ट करवाया जिसकी जानकारी लगने पर बड़ी संख्या में लोगों भी एकत्रित हो गए थे। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने अपनी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अतिक्रमण पर जे सी वी से कार्रवाई वन अपराधों के तहत अंजाम दिया गया है । उक्त कार्रवाई शमशाबाद और सिरोंज वन अमले ने मिलकर की है। क्योंकि बड़ी संख्या में वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करके खेती करने का काम भी किया जा है। पहले लोग थोड़ी सी जगह पर कब्जा करते हैं फिर धीरे से जमीन को खेती योग बनाने का काम किया जाता है ।आज यह हालत है कि वन भूमि पर बड़ी संख्या में खेती हो रही है। स्वार्थी लोगों के द्वारा हरे भरे पेड़ों को काटकर जंगल को जमीन में तब्दील किया जा रहा है । इस काम को वन विभाग के कुछ कर्मचारियों अधिकारियों साठ गांठ से ही खेती हो रही है ।लगातार वन भूमि पर कब्जा करने की शिकायत है सामने आने के बाद वन परीक्षित अधिकारी देवेश गौतम ने टीम के साथ गांव में पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई को करने के लिए बड़ी संख्या में वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद थी।

सरपंच के चहेतों के खाते में सचिव ने किया भुगतान!

दबाव और प्रभाव में जनपद पंचायत में बैठे जिम्मेदार अधिकारी

सिरोंज । जनपद पंचायत सिरोंज अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कस्बाताल ग्राम पंचायत में फर्जीवाड़ा करने के लिये दूसरे खातों का उपयोग किये जाने की बात सामने आई है। लेकिन अब यहां सरपंच के खाते का उपयोग किया गया है, पैसे निकाले के लिये। इससे आशंका है कि ग्राम पंचायत को सरपंच के परिजन ही चला रहे हैं या फिर सचिव चला रहा है। क्योंकि इस ग्राम पंचायत में महिला सरपंच सकीना बी और सचिव आमिर हमजा है। सरपंच के खाते में भुगतान तो किया ही गया है, अन्य खातों में भी भुगतान किया गया है। विकास कार्यों अथवा ग्राम के विकास से इन लोगों को कोई लेना देना नहीं है। बताया जाता है कि जनपद पंचायत सिरोंज में और भी ऐसी कई ग्राम पंचायतें हैं ,जहां धरातल कुछ भी काम नहीं हुआ और जो काम हुआ वह घटिया मटेरियल के उपयोग होने से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। बावजूद जिम्मेदार अधिकारीयों द्वारा सिर्फ कागजी खानापूर्ति की जा रही है। कहा जाता है कि ग्राम पंचायत कस्बाताल के सचिव आमिर हमजा ने इस बात को स्वीकार किया है कि सरपंच के खाते में भुगतान किया गया है और बिल वाउचर विलर हुऐ हैं।उन्होंने कहा कि ओरिजनल बिल वाउचर दिखा दूंगा।

निजी स्कूलों में शिक्षा विभाग के नियमों की खुलेआम उड़ाई जा रही है धज्जी

प्रशासन नहीं ले रहा हादसों से सबक

शिक्षा विभाग की आंखों पर पट्टी क्यों

मैजिक में जानवरों की तरह ठूंसे जा रहे बच्चे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा के लटेरी में बच्चों की जान जोखिम में है मैजिक वाहनो में बच्चों को ठूंस-ठूंस कर भरा जा रहा है निजी स्कूल प्रबंधन प्रशासन के नियमों की धज्जियां सरेआम उड़ा रहा है। यहां लिटिल हैवन स्कूल के सवारी वाहन में 20 से अधिक बच्चों को ठूंस ठूंस कर भरकर स्कूल से घरों तक भेजा रहा है। विदिशा के लटेरी में निजी स्कूलों के संचालकों की मनमानी चरम पर है जहां अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों का भी शोषण करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। स्कूलो में बच्चों को आने जाने के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा वाहनों की व्यवस्था भी की गई, जिसमे शिक्षण शुल्क के अलावा वाहनों का शुल्क मनमाने तरीके से लिया जा रहा है जिसका कोई निश्चित मापदंड ही नहीं है।

निजी स्कूलों में शिक्षा विभाग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है ऐसा ही एक बड़ा मामला लटेरी के निजी विद्यालय का सामने आया है। स्कूल संचालक द्वारा बच्चों को स्कूल वाहनों की बजाय निजी वाहनों में ठूस-ठूस कर ले जाया जा रहा है। स्कूल संचालक की मनमानी के आगे शिक्षा विभाग भी नत मस्तक है।

जिम्मेदार कुम्भकर्णी नींद से जागने का नाम नहीं ले रहे हैं ऐसे में भविष्य में कोई बड़ा हादसा होता है तो जिम्मेदारी किसकी होगी।

लटेरी के प्रायवेट स्कूल संचालक की नजर में नौनिहालों की जान की कीमत कुछ भी नहीं है लटेरी का लिटिल हैवन कॉन्वेंट स्कूल कक्षा एक से आठ तक संचालित होता है। इस स्कूल के मैजिक वाहन में लगभग 20 से अधिक बच्चों को ठूस ठूस कर बैठाने का मामला सामने आया है। क्षमता से अधिक बच्चे बैठाने का एक वीडियो मीडिया को उपलब्ध कराया है वीडियो लटेरी के आनंदपुर रोड़ का बताया जा रहा है इस मैजिक वाहन में बच्चों के साथ ऊपर केविन में गैस की टंकी के साथ बच्चों के बेग के साथ रखी हुई थी।

स्कूल संचालक द्वारा शिक्षा विभाग एवं यातायात विभाग के नियमों को ताक में रखकर मनमानी की जा रही है। स्कूल वाहन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर न तो अभिभावक ध्यान दे रहे हैं और न ही शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ऐसे में रोजाना बच्चे अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं स्कूली बसों समेत अन्य वाहनों का रंग पीला तो जरूर होता है लेकिन उन पर स्कूल का पूरा नाम और संचालक का मोबाइल नंबर तक नहीं है। परिवहन विभाग की बड़ी लापरवाही के बाद स्कूली वाहनों में आने-जाने वाले बच्चे किस हालात में अपने घर और स्कूल को जाते हैं इस बात की जानकारी अभिभावकों को भी नहीं रहती है। जिसका फायदा स्कूल वाले उठाते हैं और बच्चों को वाहनों में ठूस-ठूस कर भरते हैं।

इनका कहना है -

अभी नया सत्र प्रारंभ हुआ है लगातार सभी स्कूल वाहनों की जांच करेंगे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से चर्चा कर सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के साथ ये सुनिश्चित करेंगें की इसका सही से पालन किया जाए।

अजय मिश्रा, *एसडीओपी लटेरी*

खुलेआम, अवैध उत्खनन, खास लोगों की रुकेंगी गाड़ी और चेक भी होंगी

सिरोंज। लटेरी में एसडीएम बंगले के आजू-बाजू ओर बांस्तू के आज पास सेना के जंगल से और कई वन क्षेत्रों से ही रात में और दिन में अवैध रूप से उत्खनन की खदानों से लाल मुर्म और कोपरा निकाला जाता है। आज कल तहसील रोड से बा थाने के सामने से जय स्तंभ चौक, नई बस स्टैंड सभी रोड़ों पर ट्रैक्टर दिन में ही उत्खनन किए लाल मुरम को लाते हुए और कालोनियों में जगह-जगह डालते हुए बेचते दिखाई देते हैं, अब सवाल यह बनता है कि लटेरी की सम्मानिय एसडीएम साहिबा और सम्मानित तहसीलदार महोदय को क्या ये ट्रैक्टर दिन में ही दिखाई नहीं देते हैं या यूं कहैं के यह लोग देखना नहीं चाहते या फिर इनका खुफिया तंत्र इतना कमजोर है की इन्हे सरकार के खजानों में दिनदहाड़े हो रहे अवेद्य उत्खनन की सूचना तक प्राप्त नहीं हो पाती है ये सब बातें आम आदमी की समझ से परे है, दिन में 2 बजे अवैध उत्खनन के ट्रैक्टर लटेरी सिटी में खुले आम अंदर घूम रहे हैं खुलेआम तो सोचना यही पड़ेगा कि बगैर मिले या यूं कहें के वगैर आशीर्वाद प्राप्त हुए इतनी आसानी से तहसील सीमा में अवैध

उत्खनन नहीं किया जा सकता, या फिर ऐसा तक कहा जा रहा है की, यहां किसी बहुत बड़े सफेद पोश के डर में आकर इन लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी हो, अब करें भी तो क्या करें, कहीं अवैध उत्खनन को रोकने का अंजाम लटेरी जेसी शांतिप्रिय सुकून भरी, गुलाब जामुन मिलने वाली नगरी से तबादला का कारण न बन जाए, इसलिए सूत्र कहते है की, सभी पर मेहरबानियां बनी रहे ताकि,, लटेरी की आधी वैध और पूरी अवैध कालोनियों कोलो नाईजरो का और अवैध खदानों और उनके मालिकों का भी पूरा पूरा विकास होता रहे, अब देखना होगा की नगर के वरिष्ठ अधिकारी कब और कितनी जल्दी खबर पर संज्ञान लेते हैं।

कलेक्टर ने सीएम राइज स्कूलों के निर्माण कार्यों की समीक्षा

शैक्षणिक गुणवत्ता व उपस्थिति पर जोर दें:संचालक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने जिले के सीएम राइज स्कूलों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में आठ सीएम राइज स्कूल भवनों का निर्माण किया जाना है। शासन के इस अतिमहत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए की सख्त हिदायत दी है।

कलेक्टर वैद्य ने कहा जिन विकासखंडों में स्कूल भवन हेतु अब तक भूमि चिन्हांकन एवं आवंटन की कार्यवाही नहीं हुई है तो उसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विदिशा एवं नवीन स्वीकृत गुलाबगंज में हो रही विलंबता पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विदिशा के लिए जो भूमि चिन्हित की गई का मौका मुआयना किया गया है। अधिग्रहण की कार्यवाही पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराए जाएं।

गौरतलब हो कि जिले के पांच सीएम राइज स्कूल भवनों क्रमशः नटेरन, कुरवाई, लटेरी, बासौदा, ग्यारसपुर में निर्माण कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं जबकि विदिशा, सिरोंज एवं गुलाबगंज में अप्रारंभ हैं वहीं पांचों निर्माण ऐजेंसी बीडीएस के द्वारा कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार कि कोताही नहीं बरती जाए इसके लिए सतत् निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के संचालक डीएस कुशवाहा ने कहा कि भवन के साथ साथ शिक्षा की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। उन्होंने भ्रमण के दौरान पाई गई

अव्यास्थाओं पर खिन्नता प्रकट करते हुए बताया कि सीएम राइज स्कूलों के विद्यार्थी शत-प्रतिशत उत्तीर्ण नहीं होना। यह सोचनीय परिस्थितियों को रेखांकित कर रहा है। इसी प्रकार गंजबासौदा एवं नटेरन में निरीक्षण के दौरान बच्चों की स्कूलों में शत-प्रतिशत उपस्थिति नहीं पाई गई हैं। उन्होंने अधीनस्थ स्टाफ को अतिरिक्त मेहनत करने पर बल दिया है। ताकि सीएम राईज स्कूल स्कूली शैक्षणिक क्षेत्रों में सर्वोच्च गुणवत्ता को रेखांकित कर सके।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में शुक्रवार की सायंकाल सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला शिक्षा अधिकारी राम कुमार ठाकुर सहित निर्माण ऐजेंसी व स्कूलों में प्राचार्य मौजूद रहे। बैठक का संचालक व आभार उत्कृष्ट विद्यालय विदिशा के प्राचार्य के सिंह के द्वारा अभिव्यक्त किया गया है।

मेट्रो एंकर

चार दिन में लटेरी ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में दूसरा बड़ा हादसा

सरकारी स्कूल के किचन की गिरी दीवार, छात्र का पैर टूटा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज कल विदिशा जिले की लटेरी ब्लॉक में सरकारी स्कूलो में बड़े हादसे हो रहे हैं, जिनमे कभी स्कूल भवन की पूरी छत ही गिर जाती है,, तो चार दिन बाद कथित रूप से दो से तीन वर्ष पहले ही निर्माण हुए स्कूल के किचिन की दीवार केसे गिर गई कितनी मजबूत बनी होगी वो दीवार जो कथित रूप से मात्र दो या तीन साल में ही गिर जाती है तो पूरे ब्लॉक में बने लगभग 320 के आसपास स्कूल भवनों की असलियत में गुणवत्ता का क्या हाल होगा ! ये कल्पना करना भी दुखद लगता है, ओर इस प्रकार जब कुछ जगह की सरकारी की जब हालत हमने देखी तो ओर भी ज्यादा दुख हुआ इससे ज्यादा दुखद क्या हो सकता है की जहां से ब्लॉक के सभी स्कूलों की देख देख होती हैं वो लटेरी नगर का बीआरसी भवन तक बरसात के दिनो मे हमने खुद टपकते हुए देखी है तो आम स्कूल भवनों की मरम्मत का पैसा कहां जाता हैं पता नही, क्या कभी किसी व्यक्ति का निजी और पक्का भवन दो या तीन वर्ष में स्वता गिर जाता है या फिर कभी 10 बीस साल में भी कोई पक्की बिल्डिंग कहीं गिरती हैं क्या लेकिन जी हां,, गिरती हैं, विदिशा के लटेरी तहसील में तो गिरती हैं,)

कोन है इसका जिम्मेदार

स्कूल शिक्षा विभाग के इंजीनियर केसे भवन बनवाते है, या ठेकेदार सरपंच, एजेंसी, या मजदूर किसको दोषी करार दिया जाएगा ये जांच होगी तब पता चलेगा ! लेकिन लटेरी

सरकारी स्कूलों की भवन निर्माण की गुणवत्ता की खुल रही है पोल

कौन है इसका जिम्मेदार, किस पर होगी कार्यवाही

अनुविभागीय अधिकारी ने अभी तक दुग् रावनी, या कल के हादसे में सड़ावता इन दोनो जगहों के आरोपियों दोषियों की न कोई जांच कराई न कोई कार्यवाही की गई ! मामला पूरा ये हैं की, लटेरी ब्लॉक के स्कूलों का भगवान ही मालिक है, अब तो, इसके जिम्मेदार सब मोन या कथित रूप से लूडो खेलते दिखाई दे रहे हैं, अभी चार दिन पहले ही तो दुग्रावनी स्कूल की छत गिरने के बाद अब एक सरकारी स्कूल की किचिन की दीवार गिरी जिसमे 9 साल की बालिका छात्रा का पैर फैक्कर हुआ (टूट) गया। लटेरी के सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं,,, अभी बीते सोमवार की रात ग्राम डुगरावनी के स्कूल की छत गिर गई थी गनीमत रही की रात के समय छत गिरी नहीं तो कोई बाद भी हादसा हो सकता था । और गुरुवार दिन लगभग 3 बजे के बीच ग्राम सड़ाबता के प्राइमरी स्कूल की किचन की दीवार गिर जाने से एक नौ वर्षीय छात्रा घायल हो गई।

शिक्षक स्कूल में बैठे मोबाइल पर/ लूडो गेम खेलते रहे

लड़की के पिता उदय राज अहिरवार ने बताया कि मेरी बेटी 9 साल की प्रियंका कक्षा 3 में पड़ती है वह गुरुवार को स्कूल गई हुई थी और हम लोग शादी में लंच के समय किचन की दीवार बच्ची के ऊपर गिर गई। स्कूल के पास के पड़ोसियों ने बच्ची की दीवार के नीचे से निकाला और हमारे घर वालों को सूचना दी। लेकिन इस दौरान शिक्षक स्कूल में अंदर बैठे-बैठे मोबाइल पर लूडो गेम खेलते रहे ना तो उन्होंने बच्ची को बचाने में मदद की और ना ही हमें सूचना दी यह स्कूल 2 साल पहले ही बना है साथ ही इसकी किचन भी 2 साल पहले ही बनी थी अब इसकी दीवार गिर जाने से मेरी बच्ची घायल हुई है और उसे गुना की मीनाक्षी हॉस्पिटल में लेकर पहुंचे तो वहां पता चला की बच्ची का एक पर फैक्कर हो गया है बच्ची को जगह-जगह गंभीर चोटे भी आए हैं। ऐसे लापरवाह शिक्षकों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र बघेल ने बताया कि मेरे संज्ञान में अभी मामला नहीं आया मैं बीआरसी से बात करता हूं इसके बाद ही मैं कुछ जवाब दे पाऊंगा।

अगर आप अपने शरीर में कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान हैं, तो कुछ आसान उपायों से इसे कम किया जा सकता है. यह उपाय न केवल आपकी हेल्थ को बेहतर बनाएंगे बल्कि आपके दिल को भी मजबूत रखेंगे. यहां कुछ आसान तरीके बताए जा रहे हैं जिनसे आप अपने कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं और आप फिट रह सकते हैं. आप बीमारियों से दूर रह सकते हैं. आइए जानते हैं यहां..

पानी की तरह बह जाएगा नसों में भरा कोलेस्ट्रॉल, बस रहना होगा सजग

दालचीनी से करें कम

कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए दालचीनी की चाय का सेवन कर सकते हैं. इसे बनाने के लिए, एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें. उसमें एक-दो दालचीनी के टुकड़े या एक चम्मच दालचीनी पाउडर डालें. इसे करीब 5 मिनट तक उबालें. फिर इस मिश्रण को छानें और थोड़ा शहद मिलाकर पीएं. रोजाना रूप से इस चाय का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है. यह ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने व वजन कम करने में मदद करता है.

रोजान योग करें: रोजाना व्यायाम करना जरूरी है. हर दिन 30 मिनट तक व्यायाम करने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है और हेल्थ भी बेहतर हो जाएगी. आप तेज चल सकते हैं, दौड़ सकते हैं, या साइकिल चला सकते हैं. ये सभी एक्टिविटी आपके दिल को मजबूत बनाती हैं और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करती हैं. अगर आप व्यायाम के लिए नए हैं, तो धीरे-धीरे शुरू करें और समय के साथ बढ़ाएं. रोजाना व्यायाम करने से आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

सही डाइट लेन शुरू कर दें

सही खानपान से आपका कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है. अपनी डाइट में फाइबर युक्त आहार शामिल करें, जैसे जई (ओट्स), फल, और सब्जियां. ये चीजें आपके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करती हैं. इसके अलावा, बादाम और अखरोट जैसे नट्स खाएं, जो दिल को स्वस्थ रखते हैं और कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं. ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछली, जैसे सैल्मन और मैकेरल, भी अपनी डाइट में शामिल करें. ये मछलियां आपके कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं और दिल के लिए फायदेमंद होती हैं. इन आसान खानपान के उपायों को अपनाकर आप अपने कोलेस्ट्रॉल को नेचुरल तरीके से कम कर सकते हैं.

अफगान के छह एथलीट चुनौती पेश करेंगे

तालिबान ने महिला एथलीटों को ओलंपिक में उतरने की नहीं दी अनुमति

काबुल. एजेंसी

26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में चुनौती पेश करने के लिए तालिबान ने तीन पुरुष एथलीटों को अनुमति दे दी है। हालांकि तालिबान ने अपनी महिला एथलीटों पर प्रतिबंध जारी रखा है। लेकिन अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) ने महिला एथलीटों का साथ दिया है। एनओसी ने कहा कि ओलंपिक में तीन नहीं बल्कि छह एथलीट उतरेंगे। इसमें तीन महिला खिलाड़ी होंगी। ये वो महिला एथलीट हैं, जो अफगानिस्तान छोड़कर दूसरे देशों में रह रही हैं। 2021 मे अमरीकी सेना के वापस जाने के बाद से तालिबान सरकार अफगानिस्तान में है। अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) तालिबान के शासन के बाद से किसी और देश से अपना काम कर रही है। एनओसी लगातार अफगान खिलाड़ियों की मदद कर रही है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने भी साफ कर दिया है कि वे सिर्फ एनओसी को अफगान एथलीटों का प्रतिनिधित्व करने के रूप में मान्यता देता है। इसके अलावा, आइओसी ने कहा कि वह तालिबान खेल और अन्य अधिकारियों को पेरिस ओलंपिक में भाग लेने की अनुमति भी नहीं देता।

6 एथलीट चुनौती पेश करने उतरेंगे

अफगान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में कुल छह एथलीट उतरेंगे, जो अब तक का उसका सबसे बड़ा दल है। इसमें तीन पुरुष और तीन महिला एथलीट होंगे।

महिला एथलीटों का है बुरा हाल

तालिबान सरकार आने के बाद से महिला एथलीटों का बुरा हाल है। तालिबान खेल डायरेक्टोरेट के प्रवक्ता ने कहा, यहां लड़कियों के सभी खेलों पर बैन लगा हुआ है। जब लड़कियां खेल ही नहीं सकती तो वे ओलंपिक में कैसे जाएंगी।

टोक्यो में एक महिला एथलीट उतरी थी

2020 ओलंपिक खेलों में अफगानिस्तान के कुल पांच एथलीटों ने शिरकत की थी। इसमें एक महिला एथलीट कामिया यूसूफी भी थीं, जिन्होंने 100 मीटर फर्राटा में भाग लिया था।

सिंधू-प्रणय की राह आसान, लक्ष्य का सामना क्रिस्टी से

कुआलालंपुर (मलेशिया). एजेंसी

दो बार की पदक विजेता भारत की पीवी सिंधू को पेरिस ओलंपिक में आसान ड्रॉ मिला है। महिला एकल में सिंधू को ग्रुप-एम में रखा गया है। 10वीं वरीय सिंधू की भिड़ंत एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा और मालदीव की फातिमाथ नबाहा से होगी। पुरुष एकल में एचएस प्रणय को ग्रुप-के में 70वें नंबर के खिलाड़ी वियतनाम के ले डुक फाट से भिड़ना होगा। लक्ष्य सेन ग्रुप एल में तीसरी वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे।

वर्ल्ड चैंपियंस लीजेंड्स फाइनल में, 5 विकेट से हराया

पाकिस्तान को हराकर भारत बना चैंपियन

रायडू की फिफ्टी, अनुरीत ने लिए 3 विकेट

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान यूनुस खान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 19.1 ओवर में 5 विकेट पर 159 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत की ओर से अंबाती रायडू ने सर्वाधिक 50 रन बनाए।

भारत की पारी से शुरुआत

157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। उथप्पा और अंबाती के बीच पहले विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी हुई। सुरेश रैना सिर्फ 4 रन ही बना सके। आमिर यामिन ने एक ही ओवर में दोनों खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। अंबाती रायुडू ने 30 गेंद में 5 चौके और दो छक्के की मदद से 50 रन बनाए। गुरकीरत सिंह ने 33 गेंद में 34 रन की पारी खेली। इसके बाद युसूफ पठान ने 16 गेंद में 30 रन की धमाकेदार पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने तीन छक्के और एक चौका लगाया। कप्तान युवराज सिंह ने 22 गेंद में 15 रन बनाए। इरफान 5 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से आमिर ने दो विकेट, अजमल, रियाज और शोएब को 1-1 विकेट मिला।

पाकिस्तान ने 157 का टारगेट दिया

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए। शोएब मलिक ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। भारत की ओर से अनुरीत सिंह ने तीन विकेट झटके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के सलामी बल्लेबाज शरजील खान 10 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे ओवर में ही पवेलियन लौटे। मकसूद ने 12 गेंद में 21 रन बनाए। कामरान अकमल 19 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान यूनिस 11 गेंद में सात रन ही बना सके। **अनुरीत सिंह के 3 विकेट:** भारत की तरफ से अनुरीत सिंह ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर बल्लेबाज शरजील खान को 12 रन पर आउट किया। उसके बाद उन्होंने आमेर यामीन और पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शोएब मालिक का विकेट लिया। भारत के लिए ओपनिंग करने रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायडू आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। उसके बाद उथप्पा को आमेर यामीन ने आउट कर दिया। लेकिन रायडू ने एक छोर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 30 बॉल पर 50 रन बनाए।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था

भारतीय टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 86 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 20 रनों से हराया था। इससे पहले भी जारी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच भिडंत हुई थी, जहां पाकिस्तान ने भारत को 68 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने इस चैंपियनशिप में तीन मुकाबले गंवाए हैं और चार में जीत दर्ज की। वहीं दूसरी पाकिस्तान की टीम ने 7 में से पांच मुकाबले जीते।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कोरियोग्राफर ने खुद किया खुलासा

इमरान बोले- सीरियल किसर की इमेज के कारण हुई परेशानी

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी ने अपनी लव लाइफ पर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि पत्नी परवीन शाहनी से उनकी शादी में कितनी मुश्किलें आई थीं। इमरान ने कहा है कि उनकी पत्नी के घरवाले इस शादी के खिलाफ थे क्योंकि वो उनकी सीरियल किसर की इमेज से बिल्कुल खुश नहीं थे। इमरान ने कहा कि उनकी पत्नी परवीन ने सुख-दुख में उनका बहुत साथ दिया है। वो तब भी उनके साथ खड़ी रहीं जब उनके पास फूटी कौड़ी नहीं थी। इमरान ने कहा, परवीन मुझे बहुत डांटती थीं लेकिन वो बहुत अंडरस्टेंडिंग भी थीं। अगर वो मुझे नहीं समझतीं तो मैं इस तरह के रोल नहीं कर पाता। हमारे रिश्ते के शुरुआती दौर में उनके परिवार को मुझसे बहुत दिक्कत थी। मेरी सीरियल किसर की बहुत ही स्ट्रॉन्ग इमेज थी। परवीन के घरवाले ये बात सुनकर चौंक गए थे कि वो इमरान हाशमी से शादी करना चाहती हैं? मैं उनके दूर के रिश्तेदारों की बात कर रहा हूं जो मुझसे कभी नहीं मिले थे। काफी मनाने के बाद आखिरकार हमारी शादी हो गई। हम 18 साल से साथ हैं। मेरे जीवन में वो बेहद अहमियत रखती हैं और मैं उन्हें कभी नहीं छोड़ सकता हूं। इमरान ने आगे कहा, मेरी जिंदगी में मेरी रिलेशनशिप और परवीन के प्रति मेरा प्यार बहुत मायने रखता है। प्रोफेशन सेकंडरी है। इमरान ने आगे कहा कि उनका काम फिल्मों में इसलिए भी प्रभावित हुआ था क्योंकि वो मैरिड थे। इमरान ने 2006 में परवीन से लव मैरिज की थी। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम अयान है। इमरान ने अपने करियर की शुरुआत साल 2003 में फिल्म फुटपाथ से की थी। इसके बाद उन्होंने तुमसा नहीं देखा, जहर, आशिक बनाया आपने, चॉकलेट, कलयुग, अक्सर, गैंगस्टर, और मर्डर जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है।

राजकुमार के साथ फिल्म 'तिरंगा' नहीं करना चाहते थे रजनीकांत

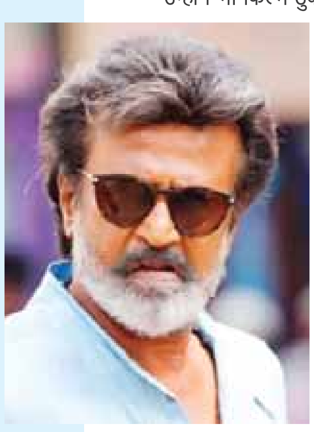

1993 की फिल्म तिरंगा जबरदस्त हिट रही थी। फिल्म के डायरेक्टर मेहुल कुमार फिल्म में राजकुमार के साथ रजनीकांत को साइन करना चाहते थे, लेकिन रजनीकांत ने राजकुमार के साथ काम करने से साफ इनकार कर दिया था। बाद में रजनीकांत की जगह फिल्म में नाना पाटेकर को कास्ट किया गया था। अब डायरेक्टर ने बताया है कि नाना पाटेकर ने राजकुमार के साथ काम करने के लिए खास शर्त रखी थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म तिरंगा के डायरेक्टर मेहुल कुमार ने बताया है कि उन्होंने सबसे पहले रजनीकांत को फिल्म तिरंगा ऑफर की थी। रजनीकांत ने उनसे कहा था कि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई है, लेकिन वो राजकुमार जैसे मनमौजी एक्टर के साथ काम नहीं करेंगे। रजनीकांत के बाद डायरेक्टर मेहुल कुमार ने नसीरुद्दीन शाह को फिल्म का सेकेंड लीड रोल ऑफर किया था, लेकिन उन्होंने भी फिल्म ठुकरा दी थी। इस बीच उनके किसी जानकार ने नाना पाटेकर का नाम सुझाया था, जो उस समय चर्चित फिल्म परिंदा में काम कर रहे थे। वो खुद को कलात्मक एक्टर मानते थे। डायरेक्टर मेहुल कुमार ने बताया है कि जब उन्होंने नाना पाटेकर को कॉल किया तो उन्होंने ये कहते हुए फिल्म करने से इनकार कर दिया कि वो कमर्शियल फिल्में नहीं करते। ऐसे में डायरेक्टर ने उनसे कहा था, सुनो, जब तक तुम कमर्शियल फिल्में नहीं करोगे, तब तक कोई तुम्हें नहीं जान सकेगा। उस समय कलात्मक फिल्में मुंबई के बाहर रिलीज तक नहीं की जाती थीं। डायरेक्टर मेहुल कुमार ने उनसे कहा था कि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़नी चाहिए और उसके बाद फैसला करना चाहिए। स्क्रिप्ट पढ़ने के अगले दिन नाना पाटेकर ने डायरेक्टर मेहुल कुमार को अपने घर बुलाया और कहा, अगर राज (राजकुमार) साहब दखल देंगे, तो मैं सेट छोड़कर चला जाऊंगा और कभी नहीं आऊंगा। मेहुल कुमार ने उन्हें समझाया था कि उन्हें इस बारे में सोचने की जरुरत नहीं है, क्योंकि वो दो फिल्मों में उनके साथ काम कर चुके थे।

साल में चार फिल्में करने पर अक्षय की हुई आलोचना, एक्टर बोले-

अमिताभ जी से हमेशा काम करते रहना सीखा है

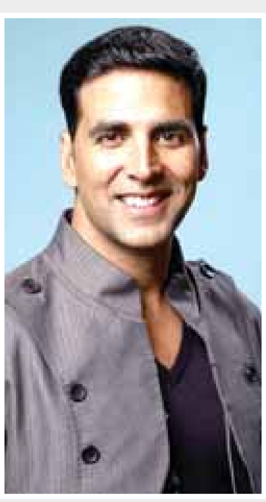

अक्षय कुमार ऐसे एक्टर हैं जिनकी साल में चार फिल्में रिलीज हो जाती है। उनकी पिछली कुछ फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया है और उनके उनके करियर पर सवाल उठने लगे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने साल में चार फिल्मों में काम करने पर बात की। उन्होंने कहा कि अमिताभ बच्चन ने सलाह दी थी कि काम हमेशा करते रहना चाहिए। कुछ लोग अक्षय कुमार की इस क्वालिटी की तारीफ करते हैं कि वो साल में चार फिल्में करते हैं। तो कई लोग यह सलाह देते हैं कि उन्हें फिल्म चुनने में थोड़ा सेलेक्टिव होना चाहिए। बैक टू बैक फ्लॉप हुई फिल्मों पर अक्षय कुमार के आलोचकों ने उन्हें सलाह दी थी कि फिल्म चुनने को लेकर उन्हें सेलेक्टिव होना चाहिए।

एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार ने कहा- कई लोगों को प्रॉब्लम है कि मैं साल में 4 फिल्में क्यों कर रहा हूं। मुझे समझ में नहीं आता कि लोगों को इस बात से तकलीफ क्यों होती है। अगर दो साल में एक फिल्म करूं तो इसकी क्या गारंटी है कि वो सफल होगी। एक साल में हिंदी में लगभग 200 फिल्में बनती हैं। साउथ में भी काफी फिल्में बनती हैं। इन तमाम फिल्मों में लगभग 8-12 ही एक्टर होते हैं फिर भी यह सवाल किया जाता है कि नंबर वन एक्टर कौन है और कौन नहीं है। हर किसी के पास काम है। अक्षय कुमार ने कहा- बच्चन साहब ने सलाह दी थी कि जब तक संभव हो, काम करना बंद न करें। मैंने उनसे ही सीखा है कि हमेशा काम करते रहना चाहिए।

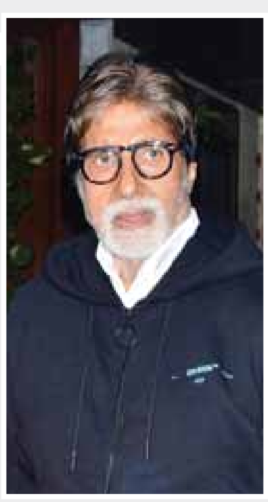

तृप्ति डिमरी के बारे में बोले को-स्टार सिद्धांत

'पहले लोग चाय तक नहीं पूछते थे, 'एनिमल' के बाद सब बदला

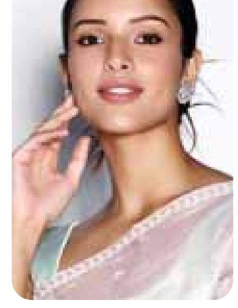

रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में जोया का रोल निभाकर फेमस हुईं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म 'धड़क 2' है। इस फिल्म में उनके अपोजिट 'गली बॉय' फेम सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने बताया कि 'एनिमल' की रिलीज के बाद से तृप्ति की लाइफ में काफी चेंज आया है। एक्टर ने यह भी बताया कि वो और तृप्ति फिल्म की शूटिंग से वक्त निकालकर साथ में एनिमल का शो देखने गए थे। तृप्ति फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं। इसमें जोया का किरदार निभाकर वो चर्चा में आईं। तृप्ति फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं। इसमें जोया का किरदार निभाकर वो चर्चा में आईं।

'लैला-मजनू' के लिए शॉर्टलिस्ट हो गए थे सिद्धांत

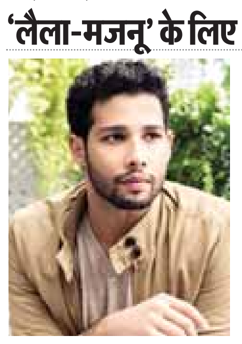

सिद्धार्थ कानन को दिए एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने बताया, 'मैं तृप्ति को काफी पहले से जानता हूं। हम 2018 में आई फिल्म 'लैला मजनूं' में साथ काम करने वाले थे। मुझे इस फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट कर लिया गया था। हालांकि, बाद में यह रोल अविनाश तिवारी को मिल गया। तब हम साथ काम करते-करते रह गए थे पर फाइनली अब हमने साथ में 'धड़क 2' पर काम किया है।'

'एनिमल' के बाद लोगों के बर्ताव में आया फर्क

को-एक्ट्रेस तृप्ति के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने एक किस्सा शेयर किया। सिद्धांत ने कहा, 'एनिमल' की सक्सेस के बाद कृति को सेट पर ही लोगों ने गजब का रिस्पॉन्स देना शुरू कर दिया था। मैंने अपने सामने उनके प्रति लोगों की फितरत बदलते देखी है। वो रोज चाय मांगती थी, कोई सुनता नहीं था पर 'एनिमल' की सक्सेस के बाद लोग खुद आकर पूछने लगे कि मैडम कौन सी चाय दूं? - मसाला चाय, ग्रीन टी या कोई और? वहीं जब सिद्धांत से पूछा गया कि कहीं उन्हें तृप्ति पर क्रश तो नहीं ? तो सिद्धांत ने कहा- 'वो बहुत ही स्वीट और कमाल की इंसान है लेकिन मेरा एक नियम है कि जहां मैं काम करता हूं वहां पर दिल नहीं लगाता।' वर्कफ्रंट पर तृप्ति की अगली फिल्म 'बैड न्यूज' है जिसमें वो विक्की कौशल और एम्मी विर्क के साथ नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर और गानों में तृप्ति और विक्की की जबरदस्त कैमिस्ट्री नजर आ रही हैं। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होनी है। इस फिल्म के बाद तृप्ति, सिद्धांत के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित होटल मनाप्रीत के पास अमृत कांप्लेक्स में कल शाम एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज यूपी से परिजन के पहुंचने के बाद उसका पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार गीतांजलि पिता भीमसिंह (22) मूलतः मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी। यहां वह होटल मनाप्रीत के पास अमृत कांप्लेक्स में रह रही थी। उसके पड़ोस में भाई की साली नैना ठाकुर रहती है। नैना ठाकुर ने शनिवार शाम करीब 6 बजे के आसपास उसे फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद गीतांजलि का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। पुलिस ने नैना ठाकुर की सूचना पर मर्ग कायम कर कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मिर्जापुर से परिजन निकल गए हैं। उनके पहुंचने पर बयान दर्ज किए जाएंगे। अभी तक की पूछताछ में पता चला कि वह आशिमा मॉल में प्राइवेट काम करती थी।

शराब पीते समय हुआ विवाद, अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

बैरसिया स्थित मेला ग्राउंड पर 3 जुलाई को हुआ था विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित मेला ग्राउंड पर गत तीन जुलाई को शराब पीते समय एक बुजुर्ग और युवक का विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर युवक ने बुजुर्ग को पटक पटकर पीटा और लात घूंसों से उसके साथ मारपीट की थी। नाक और मुंह में पर लात लगने से अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था और इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार 54 साल के मूलचंद कुशवाह, गड़ा कला, नजीराबाद में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। उनकी बैरसिया स्थित मेला ग्राउंड निवासी जितेंद्र अहिरवार उर्फ सुलोचन से दोस्ती थी। गत 3 जुलाई को मूलचंद कुशवाह घर से काम पर जाने का कहकर निकले थे। उन्हें भोपाल जाना था। इससे पहले वह अपने दोस्त जितेंद्र अहिरवार के पास बैरसिया पहुंचे। बैरसिया के मेला ग्राउंड पर मूलचंद और जितेंद्र ने साथ बैठकर शराब पी। इसी बीच दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर दोनों ने एक दूसरे से मारपीट शुरू कर दी। विवाद में 25 साल का जितेंद्र अहिरवार मूलचंद पर हावी हो गया और उसने मूलचंद के साथ जमकर पारपीट की। उसे ग्राउंड में पटक पटकर मारा। जब मूलचंद बेसुध हो गया तो आरोपी लात से उसके मुंह और नाक पर हमला किया था। मूलचंद को अधमरी अवस्था में छोड़कर जितेंद्र भाग निकला। कुछ ग्रामीणों ने मूलचंद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया में भर्ती कराया था। वहां मूलचंद की हालत नाजुक देखते हुए उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मूलचंद की मौत हो गई।

पैदल जा रही महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हनुमानगंज स्थित सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हनुमानगंज स्थित सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास पैदल जा रही एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। महिला को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए पुलिस घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख रही है।

पुलिस के अनुसार कविता चिलानी (48) ओल्ड सिंधी कालोनी बैरसिया रोड टीला जमालपुरा में रहती हैं और गृहणी हैं। शुक्रवार सुबह करीब सवा चार बजे वह अपने घर से ईदगाह हिल्स गुरुद्वारा जाने के लिए निकली थी। सिंधी कालोनी चौराहा स्थित चश्मे की दुकान के पास उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गई। आसपास के लोगों ने उन्हें उठाया पूछताछ के बाद परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन ने कविता को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद हनुमानगंज पुलिस ने कविता के बयान लेने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

स्कूटर सवार दंपति को कार ने मारी टक्कर

कोहेफिजा इलाके में स्कूटर सवार दंपति को कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटर पर बैठी महिला को सिर और पैरों में गंभीर चोट आई है. पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक नईम खान (51) बीडीए कालोनी कोहेफिजा में रहते हैं और वाशिंग पावडर का व्यवसाय करते हैं। शुक्रवार की रात करीब आठ बजे वह अपनी पत्नी सना खान के साथ स्कूटर से चौक बाजार जा रहे थे। नईम खान जैसे ही कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने पहुंचे, वैसे ही पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नईम को हल्की चोट आई, लेकिन पत्नी को गंभीर चोट पहुंची है। पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश कर रही है।

स्कूटर की टक्कर से महिला वकील घायल

जहांगीराबाद स्थित महिला थाने के सामने एक तेज रफ्तार स्कूटर चालक ने मोपेड पर सवार युवती को टक्कर मार दी, जिससे उसे चोट आई और मोपेड में नुकसान हुआ। पुलिस ने टक्कर मारने वाले स्कूटर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक प्रियंका चौहान (26) कृष्णा कालोनी करोंद थाना निशातपुरा में रहती हैं और भोपाल कोर्ट में वकालत करती हैं। शुक्रवार दोपहर करीब पौने बारह बजे वह अपनी मोपेड से कोर्ट जा रही थी। महिला थाने के सामने पहुंचते ही तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार स्कूटर सवार युवक ने उनकी मोपेड में बायीं तरह से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रियंका स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। उनकी मोपेड में भी काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद आरोपी स्कूटर चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने उसके खिलाफ एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

महिला का पर्स, युवक का मोबाइल छीनकर भागे बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल स्टेशन के निशातपुरा आउटर के पास एक बदमाश महिला का पर्स छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला, वहीं दूसरा बदमाश युवक के हाथ से मोबाइल झपटकर भाग निकला। जीआरपी ने दोनों ही मामलों में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मेमुना शेख (32) माणिक बाग इंदौर की रहने वाली हैं। पिछले दिनों वह बरेली इंदौर एक्सप्रेस के कोच नंबर एस-8 में बैठकर इंदौर की यात्रा कर रही थी। रात करीब पौने 3 बजे ट्रेन निशातपुरा स्टेशन से चलने लगी तो एक लड़का उनके पास पहुंचा और हैंडबैग छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। पर्स के अंदर 20 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन, 10 हजार के कान के सोने के एयररिंग, 20 हजार रुपए नगद, आधार कार्ड, पेन कार्ड समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इधर, नरसिंहपुर निवासी अरुण मालवीय इंदौर जाने के लिए जबलपुर इंदौर एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। वे अपनी सीट पर बैठे मोबाइल फोन चला रहे थे। रात करीब आठ बजे भोपाल स्टेशन पर रुकने के लिए ट्रेन धीमी हो रही थी। इसी बीच एक बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया और चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। ट्रेन जब प्लेटफार्म पर रुकी तो उन्होंने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी। छीने गए मोबाइल की कीमत 14 हजार रुपए बताई गई है।

विंध्याचल एकेडमी में पौधारोपण

भोपाल। विंध्याचल एकेडमी में पुलिस द्वारा वृक्षारोपण किया गया वह यह संकल्प लिया गया कि हम सब मिलकर अपने शहर को कंक्रीट में बदलने नहीं देंगे । विद्यालय के तरफ से निर्देशिका डॉक्टर कुमकुम लीला, प्राचार्य मोहन राणा, उप प्राचार्य स्वाती वाघमारे एडमिनिस्ट्रेस रश्मि कुंडले वह जन संपर्क अधिकारी अलका द्विवेदी मौजूद रहे और उन्होंने बच्चों के साथ यह संकल्प लिया कि हम इन वृक्षों की रक्षा कर उन्हें बढ़ा करके पर्यावरण की सुरक्षा करेंगे । संस्था के प्रबंधन अधिकारी सुनैना लीला वह शुभम लीला ने भी बच्चों को शुभाशीष प्रदान किया व बच्चों को पेड़ पौधों की देखभाल तथा पौधों की पर्यावरण में योगदान के बारे में अवगत कराया ।

प्रतियोगिता

भोपाल। टीआईटी कॉलेज में ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

जिला बदर का उल्लंघन करते घर से गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा पुलिस ने एक जिलाबदर बदमाश को उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी जिलाबदर कानून का उल्लंघन कर घर पर ही मिला। उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार बदमाश फराज उर्फ चूचू (24) नगर निगम कालोनी टीला जमालपुरा का है। उसके खिलाफ गंभीर अपराध होने के कारण पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने बीती 2 मई को जिलाबदर आदेश पारित किया था। आदेश के तहत बदमाश को भोपाल के सीमावर्ती सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, राजगढ़ और विदिशा जिले की राजस्व सीमाओं से बाहर जाने के आदेश दिए गए थे। शुक्रवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि बदमाश फराज उर्फ चूचू अपने घर आया हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गई है।

महिला के घर से गैस सिलेंडर और गुल्लक हो गई चोरी

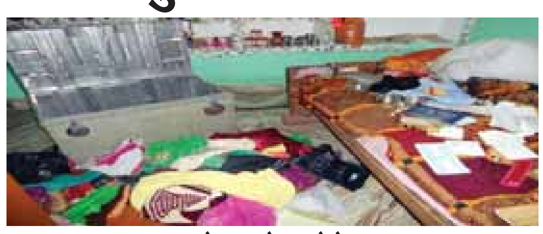

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक महिला के घर से चोर गैस सिलेंडर और गुल्लक चोरी कर ले गए। घटना के समय महिला परिवार के साथ गांधी नगर गई थी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सुनीता देवी पासवान (45) मल्टी बाजपेयी नगर शाहजहांनाबाद में रहती हैं और मजदूरी करती हैं। वह अपने मकान पर ताला लगाकर एक रिश्तेदार के यहां शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गांधी नगर चली गई थी। शुक्रवार की सुबह करीब आठ बजे वापस लौटी तो घर का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा गैस सिलेंडर और गुल्लक नहीं थी। गुल्लक में परिवार वाले पैसे डालते रहते थे, इसलिए कुल कितनी रकम होगी, इसका खुलासा नहीं हो सका है। इसी प्रकार बिलखिरिया थानांतर्गत ग्राम कान्हासैया में रहने वाले हुकुम सिंह के घर से चोर जेवरात चोरी कर ले गए। चोरी गए जेवरातों की कीमत करीब पांच हजार रुपए बताई गई है। इधर टीटी नगर स्थित माता मंदिर से ब्रजमोहन नागर, कमला नगर स्थित मैरिज गार्डन की पार्किंग से अशोक कुमार और बिट्ठल नगर लालघाटी कोहेफिजा से धीरज मारन की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

डीजे वाहन की टक्कर से टूटी दीवार, वाहन क्षतिग्रस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद इलाके में एक डीजे वाहन की टक्कर से मकान की दीवार टूट गई। दीवार टूटने से आंगन में खड़ी पल्सर बाइक और बाहर गली में खड़े दो स्कूटर क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने डीजे वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार विजय कुमार इसरानी (52) प्रभू नगर शाहजहांनाबाद में रहते हैं और जवाहर चौक पर एम्ल्युमिनिय की दुकान चलाते हैं। विजय ने पुलिस को बताया कि गुरुवार की रात करीब 11 बजे एक डीजे वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उनके मकान की दीवार में टक्कर मार दी, जिससे दीवार गिर गई। इस दौरान घर के आंगन में खड़ी उनकी पल्सर बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। उसके बाद चालक ने मोहल्ले में खड़े दो स्कूटरों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने डीजे वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर कीचड़ में फंसे कंटेनर को निकालते समय हुआ हादसा

जेसीबी मशीन के क्लीनर को लगा करंट, कंटेनर ड्राइवर पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित बिसनखेड़ी में कीचड़ में फंसे एक कंटेनर को निकालते समय जीसीबी मशीन के क्लीनर को करंट लग गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने उक्त मामले में कंटेनर के ड्राइवर पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार फरदीन खान (24) पुल बोगदा के पास ऐशबाग इलाके में रहता था और जेसीबी मशीन पर क्लीनर का काम करता था। गुरुवार रात ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बिसनखेड़ी में कबाड़े से भरा एक कंटेनर कीचड़ में फंस गया था। इस कंटेनर को निकालने के लिए जेसीबी मशीन के साथ फरदीन बिसनखेड़ी पहुंचा था। जेसीबी मशीन कंटेनर को टोचन करके बाहर निकाल रही थी। इस दौरान फरदीन टोचन छड़ को पकड़े हुए था। सड़क पर आते ही कंटेनर की छत बिजली के केबल से टच हो गई। जिससे फरदीन को करंट लग गया। उसे तत्काल ही इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की जांच में कंटेनर ड्राइवर की लापरवाही सामने आने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022